चैत्र शुक्ल पक्ष- 10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 261 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

28 मार्च 2026 शनिवार

आज का मौसम

35.8 अधिकतम

17.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

क्रिकेट फैंस के लिए सबसे बड़ा त्यौहार

आज से शरू होगा आईपीएल 2026 का रोमांच

पहला मुकाबला

रॉयल चैलेंजर्स-सनराइजर्स के बीच

शाम 7. 30 बजे से

बेंगलुरु. एजेंसी

पूरी दुनिया के क्रिकेट फैंस के लिए आज से सबसे बड़ा त्योहार शुरू होने जा रहा है। सिर्फ तीन हफ्ते पहले ही भारतीय टीम ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने की खुशी मनाई और अब इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन के लिए तैयार है। एक साथ आईसीसी ट्रॉफी जीतने के बाद अब खिलाड़ी एक दूसरे के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। पहली बार है जब आईपीएल की सभी टीमें भारतीय कप्तानों की अगुवाई में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। पिछले हफ्ते सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन को नियमित कप्तान पैट कमिंस के लौटने तक टीम की कमान सौंपी है। पटना के 27 साल के ईशान के लिए कप्तानी का मौका किसी सपने के सच होने जैसा है। छह महीने पहले तक उनका करियर खुद की बनाई मुश्किलों में फंसा नजर आ रहा था। कुछ अच्छे संयोगों ने उनकी किस्मत बदल दी और उन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया। अब वे पहले से ज्यादा परिपक्व हैं, लेकिन उनकी मासूमियत और मस्ती बरकरार है। रोहित शर्मा की तरह यह कोहली का पहला आईपीएल है जब वे सिर्फ एक फॉर्मेट के इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं। दोनों ने आईपीएल 2025 के दौरान टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। कोहली आईपीएल के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी (8,661 रन) हैं और सबसे ज्यादा शतक (8) भी उन्हीं के नाम हैं। 37 साल की उम्र में भी वे जबरदस्त फॉर्म में हैं और हर मैच को पूरी गंभीरता से खेलते हैं। कोहली की सबसे बड़ी खासियत है उनका प्रोफेशनलिज्म और टीम के लिए पूरी तरह समर्पित रहना। पिछले कुछ दिनों से वे एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं।

शुरूआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे धोनी

उधर, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है कि वे आईपीएल 2026 के पहले दो हफ्तों में नहीं खेल पाएंगे। वह अपनी पिंडली में आए खिंचाव से उबर रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से सीजन के पहले मैच की सुबह जारी बयान में पुष्टि की गई कि धोनी पिंडली की चोट के लिए रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। इससे टीम टूर्नामेंट के शुरुआती हिस्से में अपने स्टार खिलाड़ी के बिना उतर सकती है। चेन्नई का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है।

इंतजार खत्म... देश को नई उड़ान देने वाले जेवर एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

संकट में राजनीति करने वालों को देश कभी माफ नहीं करेगा: मोदी

- 3900 मीटर लंबा रनवे, आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और ऑल-वेदर ऑपरेशन
- पहले चरण में हर साल 1.2 करोड़ यात्रियों के आवागमन की क्षमता
- दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर कम होगा दबाव
- अप्रैल के अंतिम सप्ताह से कमर्शियल फ्लाइट्स का ऑपरेशन शुरू होने की संभावना
- जून-जुलाई तक शुरू हो जाएगा इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेशन
- सबसे पहले ज्यूरिख, सिंगापुर और दुबई के लिए मिलेगी उड़ान

नोएडा. एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के जेवर में बने नोएडा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन करते हुए मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध से उपजे हालात का जिक्र किया। उन्होंने कहा पूरी दुनिया इस समय तेल और गैस के संकट से जूझ रही है, लेकिन भारत पूरी मजबूती के साथ हालात का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा यह समय धैर्य और एकजुटता दिखाने का है। संकट के समय राजनीतिक बयानबाजी करने वालों को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे लोग देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इन्हें लोग कभी माफ नहीं करेंगे।

साथ ही समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, 'पहले सीएम नोएडा आने से डरते थे। कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। नोएडा को अपने हाल पर छोड़ दिया था। मुझे भी नोएडा के लिए डराया गया था। सपा वालों ने पहले नोएडा को अपनी लूट का एटीएम बना लिया था। लेकिन आज भाजपा सरकार में वही नोएडा यूपी के विकास का सशक्त इंजन बन रहा है। जेवर का यह एयरपोर्ट डबल इंजन की कार्य संस्कृति का बहुत अच्छा उदाहरण है।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'यह सभी प्रोजेक्ट पूरा होना डबल इंजन की सरकार का शानदार उदाहरण है। सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी दे रही है और यह हमारा जेवर एयरपोर्ट, पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है। आपने वीडियो में देखा, यह ऐसा एयरपोर्ट बन रहा है, जिससे हर दो मिनट में एक जहाज उड़ेगा।'

इस एयरपोर्ट के चारों चरण का काम पूरा होने के बाद यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। पीएम ने एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और रनवे को भी देखा।

यूपी में पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट

जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक यहां से उड़ानें शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। यहां से एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरुआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। इसके साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। ये एयरपोर्ट दिल्ली से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। इस समय दुनिया में तेल का संकट है, पड़ोसी देश परेशान हैं। लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में यहां कोई परेशानी नहीं है। आज पीएम की वजह से भारत विकसित होने की ओर अग्रसर है।

घने कोहरे में भी होगी लैंडिंग

यहां घने कोहरे, बहुत कम विजिबिलिटी और बारिश के दौरान भी विमानों की उड़ान और लैंडिंग हो सकेगी। एयरपोर्ट में इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग (आईएलएस) के सबसे हाई लेवल तकनीकी सिस्टम कैट थ्री का इस्तेमाल किया जाएगा। इस तकनीक के जरिए कम दृश्यता में भी सुरक्षित लैंडिंग कराई जाती है। आमतौर पर पायलट इस तकनीक का इस्तेमाल तब करते हैं, जब उन्हें बाहर कुछ भी दिखाई न दे रहा हो और लैंडिंग के लिए पूरी तरह से उन्हें तकनीक पर निर्भर होना पड़ता है। देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़े एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई हैं।

...ताकि आम लोगों पर भार न पड़े

पीएम मोदी ने कहा युद्ध की वजह से कई जरूरी चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया। हर देश संकट का सामना करने के लिए कुछ न कुछ कोशिश कर रहा है। हमारा भारत भी इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। देश को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस चाहिए, जो इस युद्ध क्षेत्र वाले देशों से ही मंगाता है। देश प्रयास कर रहा है कि इसका बोझ हमारे किसानों और आम लोगों पर न पड़े। संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास को निरंतर जारी रखा है।

न्यूज विंडो

आंधी-तूफान से 2 घंटे लैंड नहीं कर सका शाह का विमान

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। वह देर रात कोलकाता पहुंचे। हालांकि कोलकाता पहुंचने से पहले मौसम की वजह से अमित शाह की लैंडिंग में समस्याओं का सामना करना पड़ा। दरअसल, कोलकाता शहर और उसके बाहरी इलाकों में आधी रात आए आंधी-तूफान के कारण अमित शाह के विमान को एयरपोर्ट पर उतरने में दो घंटे की देरी हुई। एयरपोर्ट के सूत्रों ने इस बारे में जानकारी दी। दिल्ली से गृह मंत्री अमित शाह को लेकर आ रहे विमान को रात 11.46 बजे पर उतरना था। काल बैसाखी के प्रभाव से तेज बारिश और बिजली चमकने के कारण विमान को नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों के हवाई क्षेत्र में कुछ समय तक चक्कर लगाना पड़ा।

सड़क हादसे में नाना और दो मासूम नातियों की मौत

गुरुग्राम। पटौदी के गांव खोड़ में रात तेज रफ्तार थार गाड़ी ने पैदल जा रहे तीन लोगों को कुचल दिया, जिससे दो मासूम बच्चों और उनके नाना की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खोड़ निवासी 53 वर्षीय सुभाष अपने नाती आठ वर्षीय जायद खान एवं छह वर्षीय ईशांत के साथ रात लगभग 11 बजे अपने भाई के घर से वापस अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति एवं लापरवाही से आ रही एक थार गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों 10 से 30 फीट दूर तक जा गिरे और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जेन-जी प्रोटेस्ट मामले में नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली गिरफ्तार

नईदिल्ली. एजेंसी

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पुलिस ने शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी पिछले साल हुए जेन-जी प्रोटेस्ट के मामले में हुई है। यह कार्रवाई उस समय हुई, जब कल ही बालेन शाह ने नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है। पुलिस के अनुसार, ओली को शनिवार सुबह भक्तपुर के गुंडु स्थित उनके घर से पकड़ा गया। वहीं, रमेश लेखक को सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गृह मंत्रालय की शिकायत के बाद शुरू हुई जांच के आधार पर की गई है। एक जांच आयोग ने सुझाव दिया था कि इन नेताओं पर लापरवाही का केस चलाया जाए। इस मामले में 10 साल तक की सजा हो सकती है।

गोवा क्लब अग्निकांड केस में लूथरा भाइयों की जमानत याचिका खारिज

पणजी. एजेंसी

गोवा के चर्चित नाइटक्लब अग्निकांड मामले में बड़ा मोड़ आ गया है। अदालत ने क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब इस मामले में फर्जी दस्तावेजों के जरिए लाइसेंस लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। 6 दिसंबर 2025 को हुए इस हादसे में 25 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे, जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया था। मापुसा की अतिरिक्त सत्र अदालत नेदोनों भाइयों की याचिका खारिज कर दी। उनके वकील पराग राव ने बताया कि कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। फिलहाल दोनों आरोपी नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल में बंद हैं। आग लगने के बाद दोनों थाईलैंड भाग गए थे, लेकिन 17 दिसंबर को उन्हें वहां से डिपोर्ट कर भारत लाया था।

ईरान-अमेरिका-इजराइल की जंग में अब हूती विद्रोही भी शामिल

इजराइल पर 2000 किमी दूर से बैलिस्टिक मिसाइल दागी

तेल अवीव/तेहरान/सना।, एजेंसी

यमन की राजधानी सना में ईरान और लेबनान के समर्थन में आयोजित एक रैली के दौरान हूती समर्थकों ने हथियार लहराए। ईरान-इजराइल जंग के 28 दिन बाद अब हूती विद्रोही भी इसमें शामिल हो गए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक यमन में मौजूद ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने करीब 2000 किलोमीटर दूर इजराइल के दक्षिणी शहर बेर्शेबा और आसपास के इलाकों को निशाना बनाते हुए बैलिस्टिक मिसाइल दागी।

इजराइली सेना के मुताबिक, मिसाइल लॉन्च का पता चलते ही एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव किया गया और खतरे को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मौजूदा जंग के दौरान यमन से इजराइल पर यह पहला हमला माना जा रहा है। हूती ने इससे पहले गाजा जंग शुरू होने के बाद नवंबर 2023 में इजराइल और समुद्री जहाजों पर हमले शुरू किए थे।

इसके जवाब में इजराइल ने भी उन पर जवाबी हमले किए थे। हालांकि अक्टूबर 2025 में हमास और इजराइल के बीच सीजफायर होने के बाद से हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर हमले रोक दिए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हूती खुलकर इस युद्ध में शामिल होते हैं, तो यह संघर्ष पूरे क्षेत्र में फैल सकता है। हूती पहले भी सऊदी अरब और यूएई के तेल ठिकानों और महत्वपूर्ण ढांचों पर हमले कर चुके हैं और समुद्री मार्गों को बाधित करने की क्षमता रखते हैं।

ट्रम्प का दावा- नहीं बचे मोजतबा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की मौत का दावा किया है। मियामी में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैन्य हमलों ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व और रक्षा तंत्र तहत-नहस कर दिया है। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य हमलों में ईरान के नए सर्वोच्च नेता, मोजतबा खामेनेई की मौत हो गई। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को मजाक में स्ट्रेट ऑफ ट्रम्प कहा। उन्होंने कहा, ईरान को इसे खोलना होगा, स्ट्रेट ऑफ ट्रम्प, मेरा मतलब होर्मुज। इसके बाद उन्होंने हंसते हुए कहा, माफ कीजिए, यह एक गलती थी। ट्रम्प ने दावा कियाकि ईरान में अब भी 3554 टारगेट बचे हुए हैं, जिन पर अमेरिका हमला कर सकता है।

इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, बाल-बाल बची 161 लोगों की जान

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआई) हवाई अड्डे पर आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान का उड़ान के दौरान (हवा में) इंजन फेल हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।गनीमत यह रही कि पायलट की सूझबूझ से विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई 579 ने सुबह 8:39 बजे विशाखापत्तनम (विजाग) से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। यात्रा के दौरान जब विमान बीच रास्ते में था, तभी पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी और उसके ठप होने का संकेत मिला। पायलट ने तुरंत इमरजेंसी प्रोटोकॉल सक्रिय किए और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया।

आज का कार्टून

पाकिस्तान को चौधरी बनाना... ट्रम्प की कूटनीति, सनक या दुनिया के साथ भद्दा मजाक?

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

एक तरफ पूरी दुनिया उस पर मंडराते खतरे को लेकर हैरान हैं, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने तुगलकी फरमानों और सनक भरी टिप्पणियों के चलते अपनी साख को धब्बा लगा रहे हैं। इसके साथ ही वे मजाक का विषय भी बन रहे हैं। दो दिन पहले उन्होंने कहा कि ईरान उन्हें अपना सुप्रीमो लीडर बनाने की पेशकश कर चुका है लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसके पहले वह कह चुके थे कि जंग तो उन्होंने जीत ली है ,अब तो सिर्फ मजे के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उनका ताजा बयान यह है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इब स्ट्रेट ऑफ ट्रम्प बन चुकी है। सवाल यह है कि फिर इस खाड़ी के लिए इतने देशों से सहयोग की क्या जरूरत? इजराइल के सख्त ऐतराज के बाद यह भी यक्ष प्रश्न बन चुका है कि ईरान की जंग रोकने के लिए उन्होंने चौधरी के बतौर पाकिस्तान को ही क्यों चुना? यह सब हल्के अंदाज में दिए बयान और फैसले संकेत देते हैं कि ट्रम्प की कूटनीति पारंपरिक ढांचे से अलग, बल्कि कई बार उसके विपरीत चलती है। लेकिन क्या यह सोची-समझी रणनीति है, या जोखिम भरा प्रयोग?

इजराइल के धुर विरोधी माने जाने वाले पाकिस्तान को मध्यस्थता की भूमिका में आगे बढ़ाने का फैसला विरोधाभासों से भरा है। पाकिस्तान खुद लंबे समय से आंतरिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और राजनीतिक टकराव से जूझ रहा है। ऐसे देश को एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में 'चौधरी' बनाना, कूटनीतिक दृष्टि से कई सवाल खड़े करता है। बलूचिस्तान में पाक के खिलाफ असंतोष खुलकर सामने है। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी की गतिविधियाँ उसे परेशान कर रही हैं। दुनिया में ईरान के बाद सबसे बड़ी शिया मुसलमानों की आबादी पाकिस्तान में हैं। शिया मौलवियों को जनरल आसीम मुनीर ने दो टूक कहा है कि यदि ईरान से इतना ही प्रेम है तो ईरान चले जाएं। उनके इस बयान ने आग में घी डालने का काम किया है और देश में आंतरिक संघर्षों की नई जमीन तैयार करने का मौका दे दिया है। आर्थिक मोर्चे की बात करें तो पाक के हालात सबको पता हैं। विदेशी सहायता पर निर्भरता, कर्ज़ का बढ़ता बोझ, और चीन के सीपेक जैसे प्रोजेक्ट्स को लकर गहराती चिंता से उपजते चीन के गुस्से से यह साफ हो जाता है कि पाक इस वक्त कितने पानी में है। सऊदी अरब, कतर, ओमान और यूएई आदि के साथ उसके संबंध भले हैं लेकिन खाड़ी देशों में पाकिस्तान की निर्णायक कूटनीतिक प्रभाव के हालात नहीं दिखते। ऐसे में, उसे एक बड़े भू-राजनीतिक संकट में मध्यस्थ बनाना महज प्रयोग नहीं बड़े जोखिमों को भी समेटे हुए है। तो फिर ट्रम्प ने ऐसा क्यों किया? इसका जवाब उनकी शैली में छिपा है। ट्रम्प अक्सर परंपरागत समीकरणों को तोड़कर नए विकल्प सामने रखते हैं। उनके लिए कूटनीति केवल स्थिरता नहीं, बल्कि दबाव और अनिश्चितता के जरिए परिणाम हासिल करना है।

यहूदी उद्योगपतियों का दवाब भी

इजराइल के प्रति उनके झुकाव को भी इसी परिप्रेक्ष्य में समझना होगा। यह झुकाव केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक कारणों जैसे उनके दामाद जरेद कुशनेर (ट्रम्प की बेटी इवांका के पति) तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिकी घरेलू राजनीति और रणनीतिक हितों का भी हिस्सा है। अमेरिका में बड़ी तादाद में मौजूद बड़े यहूदी उद्योगपतियों का दवाब भी उन पर हैं जिन्होंने भरपूर सहयोग देकर उन्हें दोबारा राष्ट्रपति बनाने में मदद की। इसलिए ट्रम्प की कूटनीति को केवल सनक कह देना पर्याप्त नहीं है। लेकिन यह तो तय है कि इजरायल के धुर विरोधी पाकिस्तान को जंग के खात्में का मध्यस्थ बनाने जैसा प्रयोग ईजरायल सहित दुनिया के कई देशों के लिहाज से खतरनाक कदम है। यह ट्रम्प की दुविधा या भद्दे मजाक की जीती जागती मिसाल है। इससे कूटनीति और जोखिम के बीच की रेखा बेहद धुंधली हो जाती है।

कन्या भोज और भंडारों में उमड़ी भीड़

टीला जमालपुरा में स्थित मां केला देवी मंदिर एक बार फिर नवरात्रि के पावन अवसर पर भक्ति और सेवा का केंद्र बना हुआ है। यहां शिवर परिवार पिछले साल 2007 से लगातार माता रानी की सेवा में समर्पित है और हर वर्ष की तरह इस बार भी पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ नवरात्रि पर्व मनाया गया। नवरात्रि के पूरे 9 दिनों तक माता रानी की पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलन और भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में हर दिन भक्तों की भीड़ उमड़ती रही और माता के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने मां केला देवी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रामनवमी के शुभ अवसर पर भव्य कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों कन्याओं को भोजन कराया गया। इसके साथ ही नगर भंडारे में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

अशोक शिवर ने बताया कि वे और उनका पूरा परिवार हर साल नवरात्रि में पूरे 9 दिन माता रानी की सेवा करते हैं, जिससे उन्हें आत्मिक शांति और संतुष्टि प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि मां की कृपा से ही यह सेवा कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि भोपाल में मां केला देवी के गिने-चुने मंदिरों में से यह एक प्रमुख मंदिर है, जहां भक्तों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। यही कारण है कि यहां हर साल श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रामनवमी के इस पावन अवसर पर शिवर परिवार ने देश और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।

अफवाहों के चलते एजेंसियों पर उमड़ रही भीड़, कालाबाजारी भी

गैस के लिए आपाधापी: 380 स्टॉक पर करा दी 1600 बुकिंग, सुबह 6 बजे से लग रही लाइन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में एक बार फिर से गैस एजेंसियों पर सिलिंडर को लेकर उपभोक्ताओं की भीड़ लगना शुरू हो गई है। पिछले दिनों स्थिति में सुधार होने के साथ उपभोक्ता एजेंसियों पर नहीं पहुंच रहे थे और घरों पर आपूर्ति शुरू करवा दी गई थी। इसी बीच एक एजेंसी पर सिर्फ 380 सिलिंडर का भंडार था, लेकिन उपभोक्ताओं ने 1600 बुकिंग कर दी। इतना ही नहीं उपभोक्ता शनिवार सुबह छह बजे ही एजेंसी पर सिलिंडर लेने पहुंच गए, जिससे लंबी कतार लग गई।जब इसकी जानकारी खाद्य विभाग के अधिकारियों को दी गई तो टीम ने मौके पर पहुंचकर उपभोक्ताओं को समझाया तो भीड़ कम हो गई थी।

खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार घरेलू गैस सिलिंडर के लिए प्रतिदिन 15 हजार बुकिंग हो रही है और करीब 10 से 11 हजार सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। इसी बीच हनुमानगंज क्षेत्र में रेलवे स्टेशन से नादरा बस स्टैंड जाने वाले सामांनतर सड़क पर स्थित ऑटो हाउस इंडेन गैस एजेंसी पर सुबह छह बजे से उपभोक्ताओं की लंबी कतार लगना शुरू हो गई थी। देखते ही देखते दोपहर 12 बजे तक 200 से अधिक लोग एजेंसी पर पहुंच गए। यह देख एजेंसी पर अव्यवस्था पसर गई और खाद्य विभाग को जानकारी दी गई। टीम को बताया कि उनके पास सिर्फ 380 सिलिंडर उपलब्ध हैं लेकिन लोगों ने एक हजार 600 बुकिंग कर दी और आपूर्ति के लिए आए हुए हैं। ऐसे में भंडार कम होने से सभी को सिलिंडर दे पाना मुश्किल है। जानकारी मिलते ही टीम एजेंसी पर पहुंची और उपभोक्ताओं की बुकिंग देखने के बाद उन्हें बताया कि आपूर्ति का जो दिन दिया गया है उस दिन घर पर ही सिलिंडर पहुंच जाएगा। ऐसे मे एजेंसी पर भीड़ लगाने और परेशान होने से कोई मतलब नहीं है, तब जाकर उपभोक्ता वापस लौटना शुरू हो गए थे।

2100 मीट्रिक टन गैस का भंडार!

शहर में घरेलू गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भीड़ देखने को मिली, बताया जा रहा है कि अभी भोपाल में पांच से छह दिन का यानि 2100 मीट्रिक टन गैस का भंडार है। इसमें से ही घरेलू और व्यावसायिक सिलिंडरों में भरकर आपूर्ति की जानी है। इसी बीच बुकिंग और सिलिंडर समय पर नहीं मिलने से उपभोक्ता घबरा गए और एजेंसियों पर लंबी कतारें लगना शुरू हो गई हैं। करोंद क्षेत्र की हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी पर लोग बड़ी संख्या में सिलिंडर लेने कतार में लगे हुए थे।

पेट्रोप पंपों पर भी दिक्कत

शहर में करीब 192 पंपों से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति की जाती है, लेकिन अफवाहों के बीच खपत में तेजी आने से कुछ पंपों पर दिक्कत देखने को मिल रही है। करीब आधा दर्ज पंपों पर पेट्रोल-डीजल नहीं मिल सका, लेकिन कंपनी से आपूर्ति मिलने पर दोबारा से पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति शुरू कर दी गई थी।

वहीं कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि शहर में एलपीजी गैस व पेट्रोल-डीजल की कोई समस्या नहीं है। समय पर बुकिंग हो रही है, लेकिन आपूर्ति में कुछ समय लग रहा है। इस वजह से लोग एजेंसी पर सिलिंडर लेने पहुंच गए थे, लेकिन बाद में उन्हें समझाया तो वह वापस लौट गए थे। ऐसे में लोगों से अपील है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल जरूरत के अनुसार ही ईंधन व गैस का उपयोग करें।

पंजीयन विभाग को मिला 148 करोड़ का राजस्व

नवरात्र में टूटा रिकॉर्ड, नौ दिनों में 6306 रजिस्ट्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिले में एक अप्रैल से 740 स्थानों पर प्रॉपर्टी पांच से 181 प्रतिशत तक महंगी हो जाएगी। इससे पहले लोग वर्तमान दरों पर जमकर रजिस्ट्रियां करवा रहे हैं। इसका असर नवरात्र के नौ शुभ दिनों में देखने को मिला है, इस दौरान करीब छह हजार 306 रजिस्ट्रियों के साथ पंजीयन विभाग को 148 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इन नौ दिनों में एक महीने बराबर दस्तावेज रजिस्टर्ड हुए और राजस्व मिला है जो एक रिकॉर्ड है।

अब वर्तमान दरों पर रजिस्ट्री करवाने के लिए लोगों के पास चार दिन का समय बचा हुआ है, वहीं विभाग ने भी स्लॉट की संख्या बढ़ाते हुए एक हजार 400 कर दी हैं। जानकारी के अनुसार आइएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया स्थित पंजीयन कार्यालयों में नवरात्र के दिनों में रौनक बनी रही। सुबह 10 बजे से कार्यालय खुलने के साथ ही प्रॉपर्टी के खरीदारों की भीड़ रजिस्ट्री करवाने के लिए पहुंचने लगती थी, यह क्रम पूरे नौ दिन चलता रहा। आखिरी दो दिन अष्टमी पर 957 व रामनवमी पर 950 रिकॉर्ड रजिस्ट्रियां हुईं, जिनसे करीब 50 करोड़ रुपये का राजस्व विभाग को मिला है। नवरात्र में लोगों ने जमीन, मकान, दुकान, प्लाट की जमकर रजिस्ट्रियां करवाई हैं, करोड़ों में हुए सौदे से स्पष्ट है कि यह प्रॉपर्टी शहर के पॉश इलाकों की हैं, जहां पर प्रॉपर्टी की दरों के साथ ही बाजार भाव भी सर्वाधिक है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में वर्तमान दरों पर रजिस्ट्री करवाने के लिए बड़ी संख्या में प्रॉपर्टी के खरीदार पहुंचे रहे हैं। ऐसे में हर दिन लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, इसे देखते हुए विभाग ने अब प्रति सब रजिस्ट्रार 110 स्लॉट कर दिए हैं, जिससे अब 13 सब रजिस्ट्रार एक दिन में 1400 से अधिक रजिस्ट्रियां कर सकेंगे, शुक्रवार को भी देर रात साढ़े नौ बजे तक पंजीयन कार्यालयों में काम चलता रहा। वरिष्ठ जिला पंजीयक स्वप्नेश शर्मा ने बताया कि संपदा टू सॉफ्टवेयर का लाभ मिल रहा है। समय पर स्लॉट बुक होने के साथ ही रजिस्ट्रियां भी हो रही हैं। इसका असर यह है कि पहले 30 से 31 मार्च को रजिस्ट्रियों का डाटा 900 तक पहुंचता था जो अब छह दिन पहले ही पहुंचने लगा है।

देश की राजनीतिक व्यवस्था पर किया व्यंग्य

राकेश बेदी ने 'मसाज' में 24 किरदारों से जीता दिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल के दूसरे दिन रविंद्र भवन में नाटक 'मसाज' का मंचन हुआ। इसमें दिग्गज अभिनेता राकेश बेदी ने एकल प्रस्तुति दी। करीब दो घंटे चले इस नाटक में उन्होंने लगभग 24 पात्रों को जीवंत किया।

प्रस्तुति के दौरान उन्होंने विभिन्न वर्गों के किरदार निभाए, जिनमें कोहली साहब, जिम की महिलाएं, बार गर्ल, नायिका की मां, डायरेक्टर का वॉचमैन, मसाज करने वाला व्यक्ति और केंद्रीय मंत्री के पीए जैसे पात्र शामिल रहे। अभिनय के दौरान उन्होंने मिर्जा ग़ालिब की शायरी को हास्य अंदाज में प्रस्तुत किया और देश की राजनीतिक व्यवस्था पर व्यंग्य किया। साथ ही हास्य और विविध भावों के माध्यम से समाज के कई मुद्दों पर टिप्पणी भी की। राकेश बेदी ने इस प्रस्तुति में अपने 40 वर्षों के थिएटर अनुभव की झलक दिखाई। उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा और अंत में स्टैंडिंग ओवेशन दिया। कार्यक्रम के तीसरे दिन बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा नाटक 'घासीराम कोतवाल' की प्रस्तुति देंगे। इससे पहले अभिनेता राकेश बेदी ने थिएटर की चुनौतियों और अपने अभिनय अनुभवों पर दैनिक भास्कर से बातचीत करते हुए बताया कि मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि वर्ल्ड थिएटर डे पर ही मैं भोपाल में इस फेस्टिवल में 'मसाज' नाटक का मंचन कर रहा हूं। यह एक खूबसूरत कोइंसिडेंस है और मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं। थिएटर कलाकारों की आर्थिक चुनौतियों पर उन्होंने साफ कहा कि इस क्षेत्र में तुरंत सफलता की उम्मीद करना गलत है। यह एक प्रोसेस है। ऐसा नहीं हो सकता कि आप पहले दिन थिएटर करें और हाउसफुल मिल जाए। आपको एक थिएटर कर्मी के रूप में अपना नाम बनाना पड़ता है और इसके लिए लगातार काम करते रहना ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि कि वे 1974 में फिल्म इंस्टिट्यूट गए और 1976 में पासआउट हुए, लेकिन उससे पहले भी नाटक करते थे और आज तक लगातार रंगमंच से जुड़े हुए हैं। अगर आप लगातार काम करते रहते हैं तो धीरे-धीरे पहचान और अवसर दोनों बढ़ते हैं।

किरदार की तैयारी-आंतरिक मेहनत ज्यादा

अपने हालिया चर्चित किरदार 'जमीर के पुरंदर' को लेकर उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई दिखावटी तैयारी नहीं की, बल्कि आंतरिक रूप से काम किया। फ्रमैंने यह समझने की कोशिश की कि पाकिस्तान के नेता कैसे बोलते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है, उनकी शैली क्या है। उसी पर थोड़ा काम किया। अपने पसंदीदा किरदार के सवाल पर राकेश बेदी ने मुस्कराते हुए कहा कि यह सवाल हर अभिनेता से पूछा जाता है, लेकिन यह सही नहीं है।

नगरीय क्षेत्रों में वन विभाग के फॉरेस्ट रेंजर होंगे ट्री-ऑफिसर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के सभी 413 नगरीय निकायों में अब निजी या सरकारी जमीन पर पेड़ों के कटाई की परमिशन जिला प्रशासन या नगर निगम के अधिकारी नहीं दे सकेंगे। राज्य सरकार ने नगरीय निकाय और जिला प्रशासन के अधिकारियों से यह अधिकार छीनकर वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिए हैं। प्रदेश में अब कहीं भी पेड़ काटने या पेड़ों की छंटाई की परमिशन वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी (फॉरेस्ट रेंजर) से लेनी होगी। यदि वह परमिशन नहीं देता है तो उसकी अपील उप वनमंडल अधिकारी (एसडीओ फॉरेस्ट) के पास करनी होगी। राज्य सरकार ने मप्र वृक्षों का परिरक्षण (नगरीय क्षेत्र) अधिनियम, 2001 की धारा-4 और धारा-9 की शक्तियों का उपयोग करते फॉरेस्ट रेंजर को ट्री-ऑफिसर और उप वन मंडल अधिकारी (एसडीओ) को अपीलीय अधिकारी के रूप में अधिसूचित कर दिया है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है।

कोर्ट ने दो माह पहले दिया था आदेश- मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने फरवरी माह में एक जनहित याचिका पर राज्य सरकार को आदेश दिए थे कि जिला कलेक्टरों को ट्री-ऑफिसर की नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं हैं। यह अधिकार सिर्फ राज्य सरकार को है। इसी याचिका में हाई कोर्ट ने प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मनमाने ढंग से इंदौर शहर के एमओजी लाइंस प्रोजेक्ट में हरे-भरे पेड़ों को काटने की अनुमति को रद्द किया गया था। कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि वह वन सेवा के अधिकारियों को ही ट्री ऑफिसर के रूप में नियुक्त करे।

गंभीर फेफड़ों के मरीजों को प्रदेश में ही मिलेगा इलाज

एम्स में लंग ट्रांसप्लांट, मुंबई या दिल्ली जाने की मजबूरी खत्म होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल अब प्रदेश में पहली बार लंग ट्रांसप्लांट सुविधा शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। इसके तहत आज संस्थान में लंग ट्रांसप्लांट-द रोड अहेड विषय पर एक विशेष सिम्पोजियम आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के विशेषज्ञ डॉक्टर एम्स की टीम को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देंगे।

इस अकादमिक कार्यक्रम का उद्देश्य डॉक्टरों को लंग ट्रांसप्लांट की जटिल सर्जिकल तकनीक, मरीजों के चयन, ऑपरेशन के दौरान सावधानियों और पोस्ट-ट्रांसप्लांट केयर के बारे में प्रशिक्षित करना है। एम्स भोपाल में अब तक 18 किडनी और 3 हार्ट ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। अब लंग ट्रांसप्लांट शुरू होना संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

मुंबई और देशभर के एक्सपर्ट देंगे गाइडेंस: कार्यक्रम में मुंबई समेत देश के प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। इनमें डॉ. ज्ञानेश ठक्कर, डॉ. शारन्या कुमार, डॉ. शारदा नगोटी और डॉ. अपार जिंदल जैसे विशेषज्ञ लंग ट्रांसप्लांट की आधुनिक तकनीकों और चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा करेंगे।

मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम होगी तैयार: इस सिम्पोजियम में सर्जरी, एनेस्थीसिया, पल्मोनोलॉजी और क्रिटिकल केयर से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। एम्स भोपाल की टीम में डॉ. अलकेश खुराना (आयोजक, पल्मोनरी मेडिसिन), डॉ. योगेश निवाड़िया (सीटीवीएस विभाग), डॉ. अभिनव चौबे, डॉ. निशांत श्रीवास्तव, डॉ. एस. आर. ए. एन. भूषण, डॉ. लोकेन्द्र दवे, डॉ. वैशाली वाल्के, डॉ. अश्विनी मल्होत्रा सहित कई डॉक्टर इस प्रक्रिया में भाग लेंगे।

तैयारियां अंतिम चरण में: एम्स भोपाल में इस सुविधा के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और उपकरण तैयार किए जा रहे हैं। इसमें ECMO मशीन, हार्ट-लंग मशीन और IABP जैसी अत्याधुनिक तकनीक शामिल हैं। डॉक्टरों की टीम ने इसके लिए चेन्नई में विशेष प्रशिक्षण भी लिया है।

मेट्रो एंकर

गले को गंभीर नुकसान पहुंचाता है एसिड पेप्टिक डिसऑर्डर

डॉक्टर बोले- मरीज गैस समझकर नजरअंदाज कर रहे बीमारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के अस्पतालों में हर दिन ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं, जिन्हें महीनों से गले में जलन, खट्टी डकार और आवाज बैठने की समस्या है, लेकिन वे इसे साधारण एसिडिटी समझकर नजरअंदाज करते रहते हैं। वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. यशवीर जेके के अनुसार, यह एसिड पेप्टिक डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है, जो धीरे-धीरे गले को गंभीर नुकसान पहुंचा देता है।

डॉ. यशवीर ने कहा कि चिंता की बात यह है कि करीब 90 प्रतिशत मरीज शुरुआत में गलत इलाज लेते हैं। वे अलग अलग विभागों में भटकते रहते हैं। वहीं, बदलती जीवनशैली के कारण यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है और अब यह हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही है।

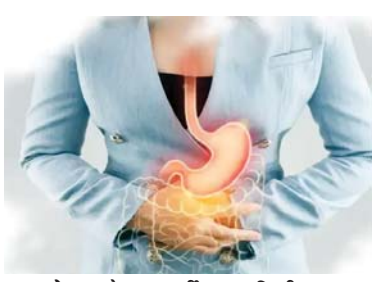

भोपाल के 42 वर्षीय एक निजी कर्मचारी पिछले 6 महीनों से सीने में जलन और गले में खराश की समस्या से जूझ रहे थे। उन्होंने इसे सामान्य गैस समझकर मेडिकल स्टोर से दवाएं लेना शुरू कर दिया। कुछ समय राहत मिली, लेकिन समस्या बढ़ती गई। बाद में जांच में सामने आया कि उन्हें एपीडी है और उनके गले में सूजन तक पहुंच चुकी है।

गले में भारीपन लगता था

एक 28 वर्षीय युवती को लगातार खट्टी डकार और गले में जलन रहती थी। कई महीनों तक एंटी-एसिड लेने के बावजूद आराम नहीं मिला। जब विशेषज्ञ से जांच कराई गई, तो पाया गया कि तनाव और अनियमित खानपान इसकी मुख्य वजह है। इसके अलावा एक 55 वर्षीय मरीज को बोलने में दिक्कत और गले में भारीपन महसूस होता था। शुरुआत में इसे सर्दी-खांसी समझा गया, लेकिन बाद में यह एपीडी के ग्रेड-3 स्तर तक पहुंच चुका था। एपीडी एक ऐसी स्थिति है जिसमें पेट में बनने वाला एसिड ज्यादा मात्रा में बनने लगता है या गलत दिशा में ऊपर की ओर आने लगता है। यह एसिड भोजन नली (ईसोफेगस) और गले तक पहुंचकर नुकसान करता है। यही कारण है कि मरीजों को सिर्फ पेट ही नहीं, बल्कि गले और आवाज से जुड़ी समस्याएं भी होने लगती हैं। एपीडी सीधे तौर पर हमारी जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है। जब खानपान, नींद और आदतें बिगड़ती हैं, तो पेट का एसिड असंतुलित हो जाता है और समस्या शुरू हो जाती है।

तीन ग्रेड में बढ़ता है रोग

ग्रेड वन- हल्की जलन, खट्टी डकार, कभी-कभी गले में खराश होने इसके शुरुआती संकेत हैं।

ग्रेड टू- लगातार एसिडिटी, गले में सूजन, खाने में दिक्कत होने लगती है।

ग्रेड थ्री- गंभीर स्थिति में गले में जख्म, आवाज बैठना, निगलने में परेशानी होने लगती है।

जीवनशैली में बदलाव ही इलाज

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. यशवीर के अनुसार, एपीडी कोई जटिल बीमारी नहीं है, लेकिन लापरवाही इसे गंभीर बना देती है। अगर समय रहते खानपान और आदतों में सुधार किया जाए, तो इससे आसानी से बचा जा सकता है।

तीन से पांच अप्रैल तक होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

अब वाराणसी में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मोहन सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत, मोक्षदायिनी नगरी वाराणसी में आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भव्य महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष रुचि और दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई यह सांस्कृतिक यात्रा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुंच रही है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का महाकुंभ- सीएम ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक हैं। वाराणसी में होने वाला यह महानाट्य जन-जन को उस वैभवशाली कालखंड से परिचित कराएगा। जब सम्राट विक्रमादित्य ने आज से लगभग 2100 वर्ष पूर्व आक्रांता शकों का समूल नाश कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था, यह संवत विश्व की प्राचीनतम काल-गणनाओं में से एक है, जो भारतीय विज्ञान और खगोल शास्त्र की श्रेष्ठता को दर्शाता है।

अद्वितीय शौर्य और न्याय का चित्रण

वाराणसी में होने वाली तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के शकारि और साहसांक बनने की गाथा को जीवंत किया जाएगा। नाटक में दिखाया जाएगा कि कैसे एक लोक-कल्याणकारी राजा ने अपने राजकोष से धन देकर प्रजा को ऋणमुक्त किया और एक ऐसा साम्राज्य स्थापित किया जहां न कोई दरिद्र था और न ही कोई दुखी। साथ ही, सम्राट की नवरत्न परंपरा–जिसमें कालिदास, वराहमिहिर और धन्वंतरि जैसे महान विद्वान शामिल थे–के माध्यम से श्रेष्ठ भारत+ के निर्माण के संकल्प को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली के लाल किले पर सफल मंचन और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसकी सराहना के बाद, वाराणसी का यह मंचन एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

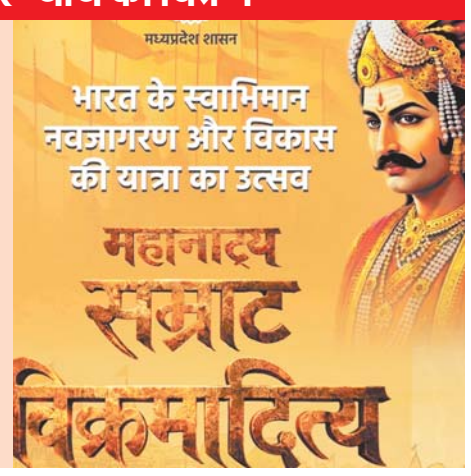

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विक्रमोत्सव को मिली ऐतिहासिक सफलता

उल्लेखनीय है कि उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव 2026 ने डिजिटल आउटरीच में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ की रिपोर्ट के अनुसार, 7 फरवरी से 24 मार्च 2026 के बीच इस आयोजन की डिजिटल रीच 17.72 करोड़ से अधिक रही है। सोशल मीडिया पर #vikramutsav2026 जैसे हैशटैग्स ने वैश्विक स्तर पर ट्रेंड किया, जिससे सिद्ध होता है कि युवा पीढ़ी अपनी जड़ों की ओर लौटने को आतुर है। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ और मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह महानाट्य वाराणसी में न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करेगा, बल्कि राष्ट्रीय एकता के सूत्र को और अधिक सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्पों के अनुरूप यह आयोजन विकसित भारत की राह में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

सिंहस्थ में आने वाले अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए की जा रही हैं तैयारियां, सीएम का दावा

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मप्र 11.6 प्रतिशत विकास दर से कर रहा प्रगति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं। इनके हित में हम हर महीने 1500-1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं। किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं। भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम मापदंड है उसके दायरे में रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात

सीएम ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है। भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं। जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विपक्ष को सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। यह परियोजना राज्यों के हित में है। इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है। यहां 250 से ज्यादा नदियां हैं।

अंत्योदय अवधारणा पर काम कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय अवधारणा पर काम कर रही है। आखिरी पंक्ति में खड़े हुए गरीब आदमी की जिंदगी में मदद हो जाए, उसके जीवन से कष्ट मिट जाए, हम इस आधार पर काम कर रहे हैं। हमारे राज्य की प्रोग्रेस भी पर्याप्त हो रही है और हम सभी योजनाओं के लिए धनराशि लेकर चल रहे हैं। लाड़ली बहना योजना से बेहतर नारी सशक्तिकरण की कौन सी योजना हो सकती है, जबकि विपक्ष के लोग कहते हैं कि महिलाओं को पैसे मत दीजिए, वे शराब पी जाती हैं।

सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बारे में कहा कि उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह केवल उज्जैन और मध्यप्रदेश का ही नहीं देश का भी सबसे गरिमापूर्ण आयोजन है। उज्जैन की आबादी 8 लाख है, पर सिंहस्थ के दौरान यहां दो महीनों के भीतर 40 करोड़ लोग आएंगे। इसके लिए हमें उज्जैन को तैयार करना है, जिससे किसी भी श्रद्धालु को बाल बराबर भी कष्ट न होने पाए, हमारी सरकार इसके लिए सारे प्रबंधन करके चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनारस जैसी पुण्य नगरी में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन कराने जा रही हैं। हमारे लिए सौभाग्य की बात है सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के सभी पक्षों को लेकर हम दुनिया के सामने जा रहे हैं। इसलिए हम विक्रमादित्य रिसर्च सेंटर भी खोल रहे हैं, विक्रमादित्य के काल के अलग-अलग प्रकार के शोध को बढ़ावा भी दे रहा है। लोक रंजन के दृष्टि से विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन कर हम भावी पीढ़ी को गणतंत्र के जनक की शौर्यगाथा दिखाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य-जीव संरक्षण पर कहा कि मध्यप्रदेश में पूरे देश में सबसे ज्यादा बाघ हैं। सबसे अधिक टाइगर रिजर्व भी मध्यप्रदेश में हैं।

कांग्रेस-बीजेपी दोनों सरकारों पर आरोप

23 साल में कर्मचारियों का 15,345 करोड़ डीए अटका

27 महीने का डीए भी रोका; पेंशनर्स को भी बड़ा नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में पिछले 23 सालों में कर्मचारियों को महंगाई भत्ते के रूप में 15,345 करोड़ रुपए का नुकसान होने का दावा सामने आया है। आरोप है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों की सरकारों ने केंद्र सरकार की तारीख के अनुसार महंगाई भत्ता नहीं दिया, जिससे लाखों कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इस मुद्दे में पूर्व मुख्यमंत्रियों दिग्विजय सिंह, कमल नाथ, उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मामला सिर्फ कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। पेंशनर्स और परिवार पेंशनधारकों को भी समय पर महंगाई राहत नहीं मिल रही। वर्तमान में मोहन यादव सरकार पर भी आरोप है कि पेंशनर्स को जनवरी 2026 से राहत दी गई, जबकि यह जुलाई 2025 से मिलनी चाहिए थी।

पांचवें-छठवें वेतनमान में सबसे ज्यादा नुकसान- बताया गया है कि पांचवें और छठवें वेतनमान के दौरान करीब 11,970 करोड़ रुपए का महंगाई भत्ता समय पर नहीं दिया गया। हालांकि भत्ता बाद में दिया गया, लेकिन केंद्र की तय तारीख से देरी के कारण कर्मचारियों को एरियर का पूरा लाभ नहीं मिल पाया।

सातवें वेतनमान में 27 महीने का DA रोका- सातवें वेतनमान में जुलाई 2019 से सितंबर 2021 तक 27 महीने का 5त महंगाई भत्ता नहीं दिया गया। इस अवधि में राज्य में पहले कमल नाथ की सरकार थी, बाद में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार आई, लेकिन भत्ता जारी नहीं किया गया।

दिग्विजय सरकार में 2 साल DA पूरी तरह बंद

जनवरी 2002 से दिसंबर 2003 तक, जब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे, उस दौरान करीब 24 महीने तक महंगाई भत्ता नहीं दिया गया। इससे कर्मचारियों को लगभग 1,260 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

भाजपा सरकार में भी देरी से मिला लाभ

दिसंबर 2003 के बाद उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में DA दिया गया, लेकिन केंद्र की दर और तारीख से नहीं। इससे छठवें वेतनमान में करीब 10,710 करोड़ रुपए का नुकसान बताया गया है।

कर्मचारी संगठन का आरोप

मप्र तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर तिवारी के मुताबिक, कांग्रेस और भाजपा–दोनों ही सरकारों ने केंद्र के बराबर समय पर DA नहीं दिया। इसका सीधा असर कर्मचारियों की जेब पर पड़ा है और लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

बीजेपी स्थापना दिवस पर मंत्री-विधायक सुनेंगे पंचायतों का दर्द

मप्र की 1455 पंचायतें अब भी भवन विहीन, 2500 से ज्यादा हैं जर्जर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार पंचायतों को सशक्त करने पर जोर दे रही है लेकिन ग्राम पंचायतों के पास खुद के भवन ही नहीं है। 1,455 ग्राम पंचायतें भवन विहीन हैं। 2,531 ग्राम पंचायतों के भवन जर्जर हो चुके हैं। इन्हें तोड़कर नया भवन बनाने की आवश्यकता है। सरकार ने इस वर्ष राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में आधुनिक सुविधा युक्त पंचायत भवन बनाने का लक्ष्य रखा है।

इसके तहत 2,472 नए अटल पंचायत भवन एवं जनपद स्तर पर 106 अटल सुशासन भवन बनाए जा रहे हैं। इसमें प्रत्येक पंचायत भवन के लिए 37.5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिला सीहोर में 111 पंचायतों के भवन ही नहीं हैं। वहीं 18 पंचायत भवन जर्जर हो गए हैं। इसी तरह मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में 11 पंचायतें भवन विहीन और 70 पंचायत भवन जर्जर हैं।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने हाल ही में विभागीय समीक्षा में अर्ध शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों को सशक्त करते हुए उनके विकास के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। नगरीय निकायों के मध्य विद्यमान पंचायतों को परस्पर समन्वय से सड़कें और अन्य आवश्यक अधोसंरचनाएं विकसित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश के सांसद-विधायकों और यहां तक की मंत्रियों को भी गांवों में समय बिताने के निर्देश दिए हैं।

अमृत सरोवर से रिझोरा में लौटी हरियाली और खुशहाली

भोपाल। ग्वालियर जिले की ग्राम पंचायत दौलतपुर के ग्राम रिझोरा ने जल संरक्षण की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। कभी पानी की कमी से जूझता ग्वालियर जिले का यह गांव आज ÷अमृत सरोवर÷ के कारण समृद्धि और खुशहाली की नई कहानी लिख रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनकर तैयार हुए इस सरोवर ने न केवल गांव की तस्वीर बदली है, बल्कि भू-जल स्तर में अभूतपूर्व वृद्धि कर किसानों के जीवन में नई ऊर्जा भर दी है। ग्राम रिझोरा में पहले जल संचय के लिए कोई प्राकृतिक स्रोत नहीं था, जिससे भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा था। खेती, पेयजल और पशुओं के लिए पानी की समस्या गंभीर होती जा रही थी। इस चुनौती से निपटने के लिए ग्राम सभा ने सामूहिक निर्णय लेकर तालाब निर्माण का संकल्प लिया। ग्रामीणों की दो वर्षों की मेहनत और सरकार की विभिन्न योजनाओं के संयोजन से लगभग 16.77 लाख रुपये की लागत से यह सरोवर बनकर तैयार हुआ है।

प्रदेश के गेस्ट टीचर का बड़ा एलान

वादे पूरे न होने पर 30 मार्च को भोपाल में करेंगे बड़ा आंदोलन, नियमित करने की मांग पर अड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अतिथि शिक्षक एक बार फिर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की तैयारी में हैं। सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा न करने के विरोध में 30 मार्च को राजधानी भोपाल के आंबेडकर पार्क में बड़े प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि इस आंदोलन में प्रदेशभर के सभी संगठन एकजुट होकर भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2023 से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि शिक्षकों की महापंचायत में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। इन घोषणाओं में विभागीय परीक्षा के माध्यम से स्थायीकरण, वार्षिक अनुबंध लागू करना और सीधी भर्ती में बोनस अंक देने जैसे वादे शामिल थे, लेकिन अब तक इन वादों पर अमल नहीं हुआ है, जिससे अतिथि शिक्षकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वहीं आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केसी पवार ने भी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि विधानसभा में स्पष्ट जवाब दिया गया है कि इन वादों को पूरा करना संभव नहीं है।

पीएमश्री स्कूलों से कार्यमुक्त करने के आदेश का विरोध

संगठन के पवन प्यासी और चंद्रशेखर राय ने कहा कि हर वर्ष 30 अप्रैल तक सेवा कार्यकाल बढ़ाना केवल दिखावा है। उन्होंने मांग की कि सरकार वार्षिक अनुबंध लागू करे। साथ ही पीएमश्री स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को 31 मार्च को कार्यमुक्त करने के आदेश को वापस लेकर स्थायी समाधान निकाला जाए। हजारों अतिथि शिक्षकों के जुटने की तैयारी के साथ इस आंदोलन में मुख्य रूप से स्थायीकरण और वार्षिक अनुबंध की मांग की जाएगी।

अगले सप्ताह होंगे IAS-IPS अधिकारियों के तबादले

भोपाल कलेक्टर समेत कई का मंत्रालय जाना लगभग तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले प्रस्तावित हैं। भोपाल, शिवपुरी, रीवा, धार, नर्मदापुरम, दमोह सहित कुछ अन्य जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। इसे लेकर तैयारी भी हो चुकी है। नए वित्तीय वर्ष यानी एक अप्रैल के बाद ये तबादले होंगे। दरअसल, वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुए रोका गया है ताकि बजट के उपयोग और राजस्व प्राप्ति के जो वित्तीय लक्ष्य निर्धारित हैं, वे प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि एक जनवरी को पदोन्नत किया गया है। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सचिव पद पर पदोन्नत हो चुके हैं। उन्हें मंत्रालय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, कुछ अधिकारियों को तीन तो कुछ को दो-ढाई वर्ष एक जगह पर पदस्थ रहते हो चुके हैं। इनकी जगह दूसरे अधिकारी भेजने की तैयारी है।

मंत्रालय में भी हो सकता है परिवर्तन

मंत्रालय में भी कुछ अधिकारियों के दायित्व में परिवर्तन संभव है। इनमें अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। उधर, पुलिस मुख्यालय ने भी मैदानी स्तर पर अधिकारियों की पदस्थापना में परिवर्तन का प्रस्ताव तैयार किया है।

मेट्रो एंकर — सहकारी समितियां अपनी जमीन का करेंगी व्यावसायिक उपयोग

प्राइम लोकेशन पर मौजूद जमीन पर बनाएंगी मार्केट, खुलेंगे पंप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सहकारी समितियां को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मध्य प्रदेश में नए-नए विकल्प तलाशे जा रहे हैं। पेट्रोल पंप, एलपीजी, जन औषधि, पर्यटन, जैविक खेती जैसे क्षेत्र में काम करने के बाद अब समितियों के पास उपलब्ध भूमि का उपयोग आर्थिक सशक्तीकरण के लिए किया जाएगा। इसके तहत मुख्य मार्ग के किनारे स्थित भूमि पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने की तैयारी है। इसकी शुरुआत राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) स्वयं करेगा।

संघ के पास भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर सहित अन्य जगहों पर मुख्य मार्गों के आसपास भूमि उपलब्ध है, जिनके व्यावसायिक उपयोग के लिए कार्य योजना बनाई जा रही है। भारत सरकार सहकारिता को ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। सभी राज्यों से कहा गया है कि ऐसे क्षेत्र चिन्हित करें, जहां रोजगार के अवसर बन सकते हों। समितियां ऐसे व्यवसाय में उतरें, जिससे उनका आर्थिक सशक्तीकरण हो।

इसके लिए कृषि अधोसंरचना निधि से खाद्य प्रसंस्करण, गोदाम सहित अन्य कार्यों के लिए राशि भी उपलब्ध कराई गई। समितियों द्वारा संचालित उचित मूल्य की दुकानों को बहुउद्देश्यीय दुकानों में परिवर्तित करने का प्रयोग भी किया गया। कॉमन सर्विस सेंटर और प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र भी स्थापित किए गए ताकि गतिविधियां बढ़ें। व्यवसायी और सहकारी समितियां मिलकर भी काम कर सकती हैं। इसी कड़ी में अब यह तय किया गया है कि समितियों की प्रमुख स्थानों पर जो भूमि हैं, उनका व्यावसायिक उपयोग किया जाएगा। व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स या आफिस बनाए जाएंगे। निर्माण के लिए पुनर्घनत्वीकरण जैसा मॉडल लागू किया जा सकता है। इसमें निजी व्यक्ति लागत लगाएगा और उसके बदले में उसे कुछ हिस्सा दे दिया जाएगा। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने मार्कफेड के अधिकारियों को संघ की प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में स्थिति भूमियों के उपयोग की कार्य योजना बनाने और उज्जैन स्थित पेट्रोल पंप को फिर प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।

सीपीपीपी मॉडल पर 2,305 करोड़ निवेश प्रस्तावित

प्रदेश में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) माडल के अंतर्गत 2,305 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसके लिए 19 एमओयू हो चुके हैं। इसमें रिलायंस समूह 1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। वहीं मैजेस्टिक बासमती राइस रायसेन 1000 करोड़, आरएम ग्रुप 100 करोड़, मशरूम वर्ल्ड 100 करोड़, वी विन लिमिटेड 40 करोड़, न्यूट्रेलिस कृषि उत्पादक सहकारी समिति नोएडा 30 करोड़, एग्रीविस्टा एआइ 25 करोड़ रुपये और सवीर बायोटेक नोएडा ने 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है।

संकट और संतुलन

वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज उछाल ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को असहज कर दिया है। ऐसे समय में भारत सरकार का रुख और उसकी रणनीति न केवल घरेलू स्तर पर बल्कि वैश्विक संदर्भ में भी महत्वपूर्ण हो जाती है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का हालिया बयान इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल औरएलपीजी की कोई कमी नहीं है। यह आश्वासन उस समय आया है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर तक पहुंच चुकी हैं।यह वृद्धि केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर आम आदमी की जेब और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। दुनिया के कई देशों में ईंधन की कीमतों में 20 से 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी इसका प्रमाण है। लेकिन भारत ने एक अलग रास्ता चुना है। यहां सवाल केवल कीमतों को स्थिर रखने का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखने का है। सरकार के सामने विकल्प था- या तो वैश्विक दबाव के आगे झुककर कीमतें बढ़ा दी जाएं, या फिर वित्तीय बोझ उठाकर नागरिकों को राहत दी जाए। सरकार ने दूसरा रास्ता अपनाया, जो राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण और आर्थिक रूप से जोखिम भरा जरूर है, लेकिन जनहित के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। हालांकि, इस फैसले का दूसरा पक्ष भी है। एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती कर सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह जनता को तत्काल राहत देने के लिए राजस्व में कमी स्वीकार करने को तैयार है। पेट्रोल पर कर घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य करना एक साहसिक निर्णय है, लेकिन इससे सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ना तय है। ऐसे में यह देखना होगा कि लंबे समय में इस संतुलन को कैसे बनाए रखा जाता है। इस पूरे परिदृश्य में एक और अहम पहलू है- अफवाहों का बाजार। लॉकडाउन जैसी खबरों को मंत्री ने सिरे से खारिज किया है। यह कदम जरूरी भी था, क्योंकि अनिश्चितता के दौर में गलत सूचनाएं स्थिति को और बिगाड़ सकती हैं। सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह न केवल नीतिगत स्तर पर सक्रिय रहे, बल्कि सूचना के मोर्चे पर भी स्पष्टता बनाए रखे। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत फिलहाल एक नाजुक संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है- वैश्विक दबाव, घरेलू जरूरतों और आर्थिक वास्तविकताओं के बीच। आने वाले समय में यह रणनीति कितनी टिकाऊ साबित होती है, यही असली परीक्षा होगी।

अदालत की कसौटी में स्थानांतरण नीति और भविष्य के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

हरियाणा की स्थानांतरण नीति पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने एक गंभीर और दूरगामी संवैधानिक बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल एक प्रशासनिक निर्णय या अंक-प्रणाली तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस मूल प्रश्न को छूती है जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के केंद्र में होता है–समानता का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना ही समानता है, या परिस्थितियों के अनुसार भिन्न व्यवहार ही न्याय के अधिक निकट है? जनवरी 2026 में आई टिप्पणी ने हरियाणा सरकार की स्थानांतरण नीति 2025 को व्यापक सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया। इस नीति में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए 40-60 प्रतिशत दिव्यांगता पर 10 अंक, 60-80 प्रतिशत पर 15 अंक तथा 80 प्रतिशत से अधिक पर 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रथम दृष्टि में यह व्यवस्था तर्कसंगत और संवेदनशील प्रतीत होती है, क्योंकि यह इस मूल तथ्य को स्वीकार करती है कि दिव्यांगता एकरूप नहीं होती, बल्कि उसकी तीव्रता और प्रभाव भिन्न-भिन्न होते हैं। इस दृष्टि से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्ति को अधिक सहायता देना न्यायसंगत माना जा सकता है। किन्तु यहीं से विवाद का प्रारंभ होता है। प्रश्न यह है कि क्या ऐसा वर्गीकरण संवैधानिक कसौटियों पर खरा उतरता है? पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस नीति को निरस्त नहीं किया है, बल्कि इसके औचित्य पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की पीठ ने स्पष्ट किया कि यह मामला गहन विचारणीय है और इसमें संवैधानिक सिद्धांतों की सूक्ष्म समीक्षा अपेक्षित है।याचिकाकर्ताओं का तर्क मुख्यतः दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 पर आधारित है। इस अधिनियम के अनुसार 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले सभी व्यक्ति एक समान श्रेणी में आते हैं। ऐसे में 40 और 80 प्रतिशत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के बीच अंक-आधारित भेदभाव समानता के अधिकार का उल्लंघन प्रतीत हो सकता है। यह दृष्टिकोण 'औपचारिक समानता' की अवधारणा को रेखांकित करता है, जिसमें सभी के साथ समान व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 केवल औपचारिक समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि 'वास्तविक समानता' की ओर संकेत करता है। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल राज्य बनाम अनवर अली सरकार जैसे मामलों में 'तर्कसंगत वर्गीकरण' का सिद्धांत स्थापित किया है। इसके अनुसार, यदि वर्गीकरण स्पष्ट, बुद्धिसंगत और उद्देश्य से तार्किक रूप से जुड़ा हो, तो वह असंवैधानिक नहीं माना जाएगा। यहीं यह प्रश्न और जटिल हो जाता है कि क्या दिव्यांगता के प्रतिशत के आधार पर किया गया यह वर्गीकरण वास्तव में तर्कसंगत है। क्या 40 और 80 प्रतिशत दिव्यांगता के बीच का अंतर केवल संख्यात्मक है, या यह व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता, कार्यक्षमता और आत्मनिर्भरता में भी गहरा अंतर उत्पन्न करता है? यदि यह अंतर वास्तविक है, तो अधिक अंक देना न्यायोचित ठहराया जा सकता है; अन्यथा यह वर्गीकरण मनमाना प्रतीत होगा।

दिव्यांगता को केवल चिकित्सीय दृष्टि से समझना पर्याप्त नहीं है; यह एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अनुभव भी है। किसी व्यक्ति की कार्यक्षमता, सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता–ये सभी कारक उसकी वास्तविक स्थिति को निर्धारित करते हैं। अतः केवल प्रतिशत के आधार पर नीति निर्माण एक सीमित और अधूरा दृष्टिकोण हो सकता है। इसके साथ ही, नीति की पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान विवाद का एक प्रमुख कारण यह है कि अंक निर्धारण के पीछे का वैज्ञानिक या सांख्यिकीय आधार स्पष्ट नहीं किया गया है। यदि यह आधार सार्वजनिक नहीं होगा, तो नीति मनमानी प्रतीत हो सकती है, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही सकारात्मक क्यों न हो। इस संदर्भ में न्यायालय का हस्तक्षेप एक रचनात्मक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि नीतियां केवल औपचारिक न रह जाएं, बल्कि वास्तविक न्याय का माध्यम बनें। यह लोकतंत्र की वह शक्ति है, जहां न्यायपालिका नीतियों को संतुलित और उत्तरदायी बनाए रखती है। सरकार के लिए यह आत्ममंथन का उपयुक्त समय है। यदि अंक निर्धारण के पीछे ठोस शोध और आंकड़े हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। यदि नहीं, तो विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक समिति गठित कर अधिक वैज्ञानिक और व्यावहारिक ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। केवल प्रतिशत के स्थान पर 'कार्यात्मक क्षमता', 'दैनिक जीवन पर प्रभाव' और 'सामाजिक सहभागिता' जैसे मानकों को शामिल करना अधिक न्यायसंगत दृष्टिकोण हो सकता है।

अंततः, यह बहस हमें समानता की अवधारणा पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करती है। समानता का अर्थ सबको एक जैसा देना नहीं, बल्कि सबको उनकी परिस्थितियों के अनुरूप न्याय देना है। यही वास्तविक समानता है, जो एक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला बनती है। निष्कर्षतः, यह मुद्दा सरकार और न्यायालय के बीच टकराव का नहीं, बल्कि नीति और न्याय के संतुलन का है। यदि हरियाणा सरकार संवेदनशीलता और तर्क के बीच संतुलन स्थापित कर पाती है, तो यह केवल एक विवाद का समाधान नहीं होगा, बल्कि भविष्य की नीतियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण सिद्ध होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

वैश्विक संकट में ऊर्जा संरक्षण के साथ विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का अवसर

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

आज समूचा विश्व भू-राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। ईरान, अमेरिका तथा इजराइल के बीच के टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। इसलिए ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बरबादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

भरपूर नींद के बाद खत्म नहीं हो रही थकान, आयरन की कमी से दिखते हैं ऐसे कई लक्षण

आजकल लोगों में गंभीर थकावट देखने को काफी मिल रही है, जो कि सोने या आराम करने के बाद भी कम नहीं होती। आमतौर पर इसके पीछे शरीर में आयरन की कमी देखी जाती है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और ढंग से खानपान ना होने के कारण मैं कई लोगों में आयरन की कमी के लक्षण देखता हूं। इस मिनरल की कमी एनीमिया का खतरा बढ़ाती है और शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो जाती है। आयरन की कमी के 10 संकेतों को समय पर पहचानकर स्वास्थ्य में तुरंत सुधार लाया जा सकता है। काम करने के बाद थकान होना आम है। लेकिन अगर ज्यादा काम किए बिना ही थकान महसूस होती रहती है और आराम करने के बाद भी इससे पूरी तरह छुटकारा नहीं मिलता तो यह आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। अगर स्किन पीली पड़ने लगी है और लोगों को आपके चेहरे पर पीलापन नजर आने लगा है तो यह भी आयरन की कमी हो सकती है। हीमोग्लोबिन की कमी से शरीर में खून की मात्रा घट सकती है, जिससे शरीर पीला दिखने लगता है। भारी शारीरिक काम करने पर सांस फूलने लगती है। लेकिन अगर थोड़ा-सा चलने या सीढ़ी चढ़ने के बाद भी आपको यह दिक्कत हो रही है तो सतर्क हो जाएं। इसका मतलब है कि शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। आयरन की कमी से धड़कन भी तेज हो सकती है। क्योंकि इससे दिल को काम करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जो हार्ट बीट को तेज कर देता है। इस लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करके जरूरी टेस्ट जरूर करवाएं। जब ऑक्सीजन की कमी से दिमाग प्रभावित होने लगता है तो उसका कामकाज भी बिगड़ने लगता है। इसकी वजह से मरीज को चक्कर आने या सिरदर्द रहने की समस्या झेलनी पड़ सकती है। आयरन की कमी से बालों की जड़ों को पोषण मिलना कम हो जाता है। इसकी वजह से बाल अचानक झड़ना शुरू कर देते हैं। खासकर महिलाओं में यह लक्षण काफी आम देखा जाता है। नाखूनों को देखकर भी आयरन कम होने का अंदाजा लगाया जा सकता है। नाखून भी पतले होने लगते हैं। यह टूट भी सकते हैं या फिर चम्मच की तरह मुड़े हुए दिख सकते हैं। इसके अलावा ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो जाता है। इसकी वजह से शरीर ठंडा पड़ने लगता है, खासकर हाथ-पैर में रक्त प्रवाह बाधित होने से ठंडापन महसूस होना आम है।

आयरन की कमी दूर करने वाली डाइट लें : आयरन की कमी से बचने के लिए रेगुलर टेस्ट करवाना और बैलेंस्ड डाइट लेना बहुत आवश्यक है। खासकर, महिलाओं को पीरियड्स के दौरान इसका खतरा ज्यादा होता है, इसलिए उन्हें इस वक्त डाइट का बेहद ध्यान रखना चाहिए। पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां लेनी चाहियें। गुड़, बीन्स और दालें, सेब, खजूर और अनार तथा आयरन से भरपूर डाइट के साथ विटामिन सी वाले फूड लें। इससे आयरन का अवशोषण बढ़ जाता है।

सुविचार

इंसान कहता है कि पैसा आए तो कुछ करूं,
पैसा कहता है तू कुछ कर, तो मैं आऊं।

-अज्ञात

निशाना

अपनी खाली जेब में..!

महेश अग्रवाल

हम जिसे कहते थे जनहित से जुड़ा अखबार है।
आज तो वो भी हुकूमत का सिपहसालार है।
सच बयानी के लिए है हौसले जिसके बुलंद,
उसके शब्दों की कटारी में गजब की धार है।
अपनी खाली जेब में मजबूरियां बैठी मिलीं,
उनकी जेबों में समा जाता बड़ा बाजार है।
तुम समुंदर हो कुआं दरिया सरोवर झील हो,
हर जलाशय सिर्फ नन्ही बूंद का विस्तार है।
उसके हिस्से की वसीयत में उसे साहिल मिला,
इसके हिस्से की वसीयतमें लिखा मझधार है।
उम्र भर हम जिंदगी इस पार ही खोजा किये,
पर ठिकाना जिंदगी का तो वहां उस पार है।
सोच में रखते हैं हम उम्मीद का आंगन बड़ा,
सोच में उनके निराशा की बड़ी दीवार है।
यूं सियासत में उसे ही स्वस्थ कह देते हैं सब,
मुद्दतों से जो व्यवस्था अनवरत बीमार है।

यूजर्स गाइड

एलपीजी के मुकाबले स्मार्ट विकल्प बन रही है पीएनजी, ऐप के जरिये होता है ऑपरेशन कंट्रोल

मिडिल ईस्ट के युद्ध जैसे हालात और एलपीजी गैस की किल्लत को देखते हुए सरकार ने उन तमाम लोगों के लिए पीएनजी कनेक्शन अनिवार्य कर दिया है, जिनके इलाके में गैस पाइपलाइन मौजूद है। ऐसे में अब बड़ी संख्या में लोग पीएनजी कनेक्शन लगवाएंगे और साथ ही उनके मन में यह सवाल मौजूद रहेगा कि क्या PNG यानी कि गैस पाइपलाइन LPG से बेहतर है? इस सवाल का एक सीधा सा जवाब है कि पीएनजी, एलपीजी के मुकाबले एक स्मार्ट ऑप्शन जरूर है।

अगर आप PNG कनेक्शन लेते हैं, तो ज्यादातर काम कनेक्शन देने वाली कंपनी के ऐप से कंट्रोल हो जाते हैं। इसके अलावा PNG के साथ सिलेंडर में कम गैस आने की समस्या या अचानक गैस खत्म होने का डर पूरी तरह खत्म हो जाता है। साथ ही आप बेहद आसानी से सेल्फ बिलिंग करके इस्तेमाल के अनुसार भुगतान कर सकते हैं। PNG कनेक्शन का सबसे बड़ा फायदा है कि इसे बेहद आसानी से ऐप के जरिए संभाला जा सकता है। लगभग सभी PNG कनेक्शन देने वाली कंपनियां ऐप के जरिए सेल्फ बिलिंग का ऑप्शन उपलब्ध कराती हैं। आप बेहद आसानी से ऐप के जरिए मीटर की फोटो अपलोड कर अपना बिल जेनरेट कर सकते हैं। ऐसे में सुनिश्चित हो पाता है कि आप सिर्फ उतनी गैस के लिए भुगतान कर रहे हैं, जितनी आपने इस्तेमाल की है।

खपत की रियल टाइम ट्रैकिंग: PNG कनेक्शन का ऐप से कनेक्शन होने की वजह से आप आसानी से चेक कर सकते हैं कि पिछले महीनों में आपकी खपत कैसी रही है। इसके साथ-साथ मीटर की रीडिंग से मेल करते हुए आप इस बात को लेकर निश्चिंत हो सकते हैं कि आपको चूना नहीं लगाया जा रहा है। यह रियल टाइम में अपनी खपत ट्रैक करने का अच्छा ऑप्शन देता है। LPG सिलेंडर के साथ अक्सर ये शंका बनी रहती है कि क्या सिलेंडर में पूरी गैस उपलब्ध कराई जा रही है? कई मामलों में गैस सिलेंडर में कम भी निकलती थी, वहीं PNG के साथ ऐसी समस्या खत्म हो जाती है। आप अपने बिल और मीटर की रीडिंग को मैच कर तुरंत जान सकते हैं कि आपसे सही चार्ज लिया जा रहा है या नहीं।

कनेक्शन ट्रांसफर आसान: अगर आपको कनेक्शन ट्रांसफर कराना हो या किसी और के नाम पर बदलना हो, तो भी PNG कनेक्शन से जुड़ी ऐप के जरिए ऐसा किया जा सकता है। इसके लिए तमाम डॉक्यूमेंट्स ऐप पर ही अपलोड करके आप कनेक्शन को नए पते पर या किसी और के नाम पर ट्रांसफर करवा सकते हैं।अगर आप अपने PNG कनेक्शन के लिए किसी तरह की मदद चाहते हैं। भले वह कनेक्शन में किसी तरह के बदलाव या इमरजेंसी के लिए हो। ऐसे में आप सीधे ऐप से ही PNG कनेक्शन देने वाली कंपनी से मदद पा सकते हैं।

अजब - गजब

कुलदेवी की पूजा में पड़ोसी भी नहीं खटखटाता दरवाजा, अगर ऐसा किया तो होती है अनहोनी !

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में अजब-गजब मान्यताएं हैं। जिले का सोनी परिवार सालों से अपनी कुलदेवी की पूजा करता आया है। मान्यता है कि इस पूजा के दौरान अगर कोई भी व्यक्ति घर के द्वार पर आ जाता है, तो उसके साथ निश्चित ही कुछ अनहोनी हो जाती है। न्यूज 18 ने ग्रामीणों के मुताबिक खबर दी है कि कुछ लोगों के साथ ऐसी अनहोनी हुई है, इसलिए लोग पूजा के दौरान घर के द्वार पर भी नहीं जाते हैं। कालीचरण सोनी के अनुसार उनके परिवार में कुलदेवी की पूजा पुरखों से चली आ रही है। इस पूजा में हमारी सोनी बिरादरी ही शामिल हो सकती है। उन्होंने कहा कि हर साल नवरात्रि में हमारी कुलदेवी की पूजा होती है। शारदीय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि में एक दिन पूजा होती है। इसके अलावा भी एक बड़ी पूजा होती है। इस पूजा में देवी को जीव बलि भी दी जाती है। हमारे पुराने घर में आज भी देवी विराजमान हैं।

कालीचरण ने आगे कहा कि देवी का प्रसाद हमारी बिरादरी में भी उन्हीं को मिलता है, जो पूजा में शामिल हुए हैं। हर किसी को नहीं मिलता है। नवरात्रि में तो पूरी खीर का प्रसाद चढ़ाया जाता है लेकिन बड़ी पूजा में बहुत से व्यंजन बनाए जाते हैं, साथ ही पशु बलि भी दी जाती है। इस पूजा में परिवार-रिश्तेदार शामिल होते हैं और एक लाख रुपये के करीब खर्च आता है।

उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान किसी भी दूसरी जात-बिरादरी का आना घर के दरवाजे पर भी वर्जित है। हमारे घर की उरई (घर के द्वार पर गोबर से लीपना) में कोई नहीं खड़ा हो सकता है। अगर कोई गलती से आ गया, तो वह माफी मांग लेता है लेकिन अगर कोई जान-बूझकर गलती कर रहा है, तो देवी क्रोधित हो जाती हैं और उसके साथ अनहोनी भी हो जाती है।

पूजा न करने से संतान प्राप्ति में बाधा: कालीचरण ने आगे कहा कि हमनें कुछ सालों तक देवी की पूजा नहीं की, तो हम ही परेशान होने लगे थे। हमारे बेटे को संतान प्राप्ति में बाधाएं आ रही थीं। सालों-साल अस्पताल से लेकर यहां-वहां भटके लेकिन संतान नहीं हो रही थी लेकिन फिर से कुलदेवी की पूजा शुरू कर दी, तो आज हमारे यहां चार संतान आंगन में खेल-कूद रही हैं।

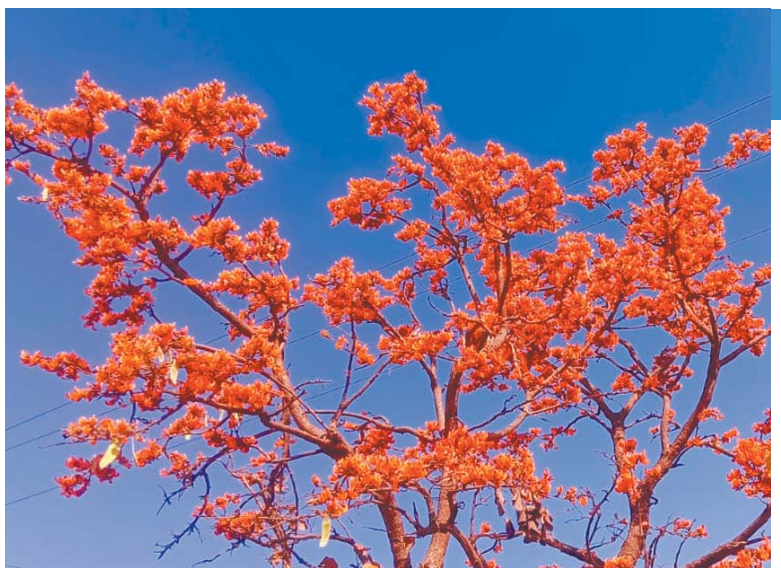

प्रकृति का अनोखा श्रृंगार, टेसू के फूलों से सजी धरा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति ने एक बार फिर अपना अनुपम सौंदर्य बिखेरना शुरू कर दिया है। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में पलाश (टेसू) के पेड़ों पर खिले चमकीले नारंगी फूलों ने वातावरण को मनमोहक बना दिया है। पेड़ों से झड़कर जमीन पर बिखरे टेसू के फूल ऐसे प्रतीत हो रहे हैं मानो प्रकृति ने स्वयं धरती का श्रृंगार कर दिया हो। इन फूलों की सुंदरता राहगीरों को भी आकर्षित कर रही है और लोग रुककर इस प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। पलाश के फूलों को भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व दिया जाता है। होली के अवसर पर इनसे प्राकृतिक रंग भी बनाए जाते हैं। वर्तमान में नगर के कई स्थानों पर पलाश के पेड़ अपनी पूरी खूबसूरती के साथ खिले हुए हैं, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। प्रकृति का यह मनोहारी रूप यह संदेश भी देता है कि पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों की सुरक्षा कितनी आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी ऐसे सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकें।

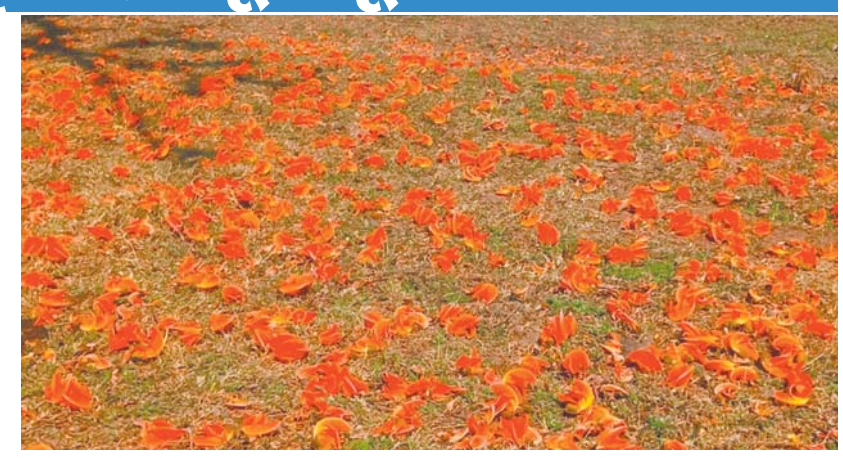

न्यूज विंडो

वन विभाग की कार्रवाई, बिना अनुमति रखी लकड़ी जब्त, आरा मशीन सील

गंजबासौदा। क्षेत्र में अवैध लकड़ी भंडारण की सूचना मिलने पर वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में लकड़ी जब्त कर आरा मशीन को सील कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुरवाई एसडीएम द्वारा अवैध लकड़ी की सूचना वन विभाग को दी गई थी। इसके बाद वनमंडलाधिकारी विदिशा हेमंत यादव के निर्देश पर तत्काल टीम गठित कर कुरवाई भेजी गई। वन विभाग की टीम द्वारा की गई जांच के दौरान आरा मशीन परिसर में बबूल, आम एवं जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों की लकड़ी बिना टीपी (ट्रांजिट पास) के भारी मात्रा में रखी पाई गई। इस पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए 156 नग सख्त लकड़ी (लगभग 16 घन मीटर) जब्त कर ली तथा आरा मशीन को सील कर दिया। यह कार्रवाई वनपरिक्षेत्र अधिकारी पिंकी रघुवंशी के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान टीम में अशोक गौर, लक्ष्मीप्रसाद पंथी, प्रवीण विश्वकर्मा, के.पी. राजपूत एवं नीरज शाक्य सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वन विभाग द्वारा मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भोजनालय की रसोई में सिगड़ी से लगी आग, कर्मचारी झुलसा

नर्मदापुरम। इटारसी रेलवे स्टेशन रोड स्थित गोठी धर्म शाला कि एक दुकान में संचालित भोजनालय की रसोई में आज सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। इस हादसे में भोजनालय कर्मचारी कुलदीप का हाथ झुलस गया, लेकिन स्थानीय लोगों की फुर्ती से बड़ा हादसा टल गया। भोजनालय संचालक दशरथ सिंह राजपूत के अनुसार गैस सिलेंडर न होने से लकड़ी की सिगड़ी पर खाना बनाया जा रहा था। अधिक लकड़ी डालने से आग भड़क गई। तभी किसी ने एग्जॉस्ट फैन चालू कर दिया, जिससे चिंगारी तेज हो गई और तेल की कढ़ाई में आग लग गई। गर्म तेल गिरने से कुलदीप घायल हो गया। रसोई में आग फैलते ही भोजनालय में अफरा-तफरी मच गई।आसपास के युवाओं ने तत्काल पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की। नगर पालिका की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

पामाखेड़ी तिराहे पर तेज रफ्तार ट्रॉले ने युवक को कुचला, मौत

सिरोंज। सिरोंज - गुना रोड पर पामाखेड़ी तिराहे पर शुक्रवार को तेज गति से आ रहे ट्राले में एक युवक को कुचल दिया। जानकारी के अनुसार भौरिया में रहने वाला संतराम प्रजापति शुक्रवार की इलाज के लिए सिरोंज आया था। जब वह वापस लौट रहा था तो पामाखेड़ी तिराहे पर सिरोंज तरफ से तेज गति से आ रहा एक ट्राला उसे रौंदते हुए निकल गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटनाक्रम चौराहे पर लगे सीसी टीवी में भी कैद हो गया। जो दिनभर सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा।

संसद में पत्रकारों की सुरक्षा जवाबदेही के मुद्दे को सांसद ने उठाया

नर्मदापुरम। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान होशंगाबाद-नरसिंहपुर के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने पत्रकारों की सुरक्षा और जवाबदेही का मुद्दा बुलंद आवाज में उठाया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ–पत्रकारिता–की रक्षा के लिए उन्होंने ठोस नीति की मांग की। चौधरी ने कहा पत्रकारिता लोकतंत्र की आत्मा है, जो सत्ता और जनता के बीच मजबूत सेतु है। लेकिन फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों को जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है, बिना अपेक्षित सुरक्षा के। उन्होंने 'पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण नीति' बनाने की अपील की, जिसमें सुरक्षा, बीमा, शिक्षा सहायता, आवास और यात्रा रियायत शामिल हों। जब कलम सुरक्षित होगी, तभी सच निर्भीक होकर सामने आएगा और लोकतंत्र मजबूत होगा, उन्होंने जोर देकर कहा। साथ ही, पत्रकारिता की आड़ में दुरुपयोग पर सख्त अंकुश की जरूरत बताई–ईमानदार पत्रकारों की सुरक्षा जितनी जरूरी, उतना ही गलत प्रवृत्तियों पर नियंत्रण।सांसद ने सरकार से तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया, ताकि 'कलम की आजादी और जवाबदेही' का संतुलन बने और लोकतंत्र और सशक्त हो।

महामाई मंदिर पर चल रहे 15 दिवसीय महोत्सव का समापन आज

पूर्णाहुति आज, दोपहर में फूलों की होली और शाम से होगा भंडारा, उमड़ेगी आस्था

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

महामाई पर चल रहे 15 दिवसीय महोत्सव का समापन शनिवार को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ होगा। माता के दरबार में प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन सांस्कृतिक विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इसी क्रम में रामलीला एवं रासलीला की आकर्षक प्रस्तुतियाँ श्री कृष्ण मुरारी व्यास के मार्गदर्शन में निरंतर मंचित की जा रही हैं। जिन्हें दर्शकों का भरपूर स्नेह मिल रहा है। वहीं 10 दिवसीय श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महा यज्ञ की पूर्ण आहुति पर महाप्रसादी वितरण की जाएगी। समिति द्वारा परिसर में गाला निर्माण किया गया है। यहां से बफर के रूप में प्रसादी वितरण किया जाएगा।

कृष्ण लीला में भक्त शिरोमणि मीरा बाई के जीवन चरित्र पर अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी गई। मंचन में दर्शाया गया कि मीरा का जन्म राजस्थान में हुआ और बाल्यकाल से ही उनका रुझान भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की ओर रहा। वे निरंतर भागवत कथा का श्रवण करती रहीं, जिससे उनका कृष्ण के प्रति अटूट प्रेम विकसित हुआ। प्रस्तुति ने दर्शकों को भक्ति और समर्पण की भावना से भाव-विभोर कर दिया। रात्रि में रामलीला में लंका दहन का प्रभावशाली मंचन किया गया। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कथा प्रसंग में भगवान श्रीराम द्वारा विजय प्राप्ति हेतु यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें ब्राह्मण के रूप में रावण को आमंत्रित किया गया। रावण द्वारा यज्ञ संपन्न कर भगवान राम को विजय का आशीर्वाद देने का प्रसंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। महोत्सव के अंतिम दिन शनिवार को दोपहर में ब्रज की प्रसिद्ध फूलों की होली एवं लट्ठमार होली का आयोजन किया जाएगा। वहीं रात्रिकालीन कार्यक्रमों में रंगारंग आतिशबाजी के साथ रावण वध किया जाएगा। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह मेला इस वर्ष भी भव्यता के साथ जारी है। मेले में प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

रामनवमी पर मंदिरों में हुई विशेष आरती

प्रभात फेरी में श्रद्धालुओं ने किया कीर्तन शोभायात्रा में राम भजनों पर थिरके युवा

सिरोंज। शहर राममय नजर आया। सुबह से ही श्री रामधुन की गूंज शहर में सुनाई दी। हिन्दू उत्सव समिति ने प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार से प्रभात फेरी निकाली। जिसमें हाथ ठेले पर बने सिंहासन पर श्री राम की तस्वीर को स्थापित किया गया था। प्रभात फेरी में शामिल सभी श्रद्धालु संगीतमयी कीर्तन और भजन करते हुए चल रहे थे। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने श्री राम की आरती उतार कर अमनिया अर्पित किया। यह प्रभात फेरी बड़ापुरा, कस्टम पथ, विद्यार्थी पथ, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार, चांदनी चौक, कोर्ट गेट, नपा कार्यालय, हाजीपुर, काला बाजार और पटवा टोला होते हुए वापस मदनमोहन सरकार के दरबार पहुंची। यहां पर श्री राम की आरती के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष ओम सोनी, स्वयंसेवक सत्यनारायण शर्मा, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष चौरे, विष्णु गर्ग, सुमंत मित्तल, घनश्याम रघुवंशी, जयनारायण सेन तथा संजीव साईनाथ आदि मौजूद थे। रामनवमी के अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव समिति ने शहर में भगवान की शोभायात्रा भी निकाली। दोपहर में 1 बजे छतरी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर से शोभायात्रा की शुरूआत हुई। यात्रा की अगवानी भगवान ध्वज थाने घुड़सवार कर रहे थे। अधिकांश सदस्य पीले कुर्ते पर केसरिया पगड़ी पहने हुए थे।

रामलला सरकार को लगाया 56 भोग, बनाए कई तरह के व्यंजन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

प्राचीन रामलला सरकार के दरबार में रामनवमी के अवसर पर सरकार के 56 भोग दर्शनों का आयोजन किया गया। जिसमें युवा मंडल के सदस्यों ने सरकार को कई प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया। जिसमें मिठाई और नमकीन के साथ ही कई तरह के फल और मेवा मिष्ठान शामिल थे। दोपहर 12 बजे आरती के बाद श्रद्धालुओं को 56 भोग की प्रसादी का वितरण भी किया गया। समिति द्वारा 5 क्विंटल से ज्यादा प्रसादी का वितरण इस दौरान किया। देर शाम तक प्रसाद वितरण का दौर चला। राम भक्तों ने कतार में लग कर प्रसाद ग्रहण किया।

मंडीदीप में गैस सिलेंडर की किल्लत और गड़बड़ियों से उपभोक्ताओं का धैर्य टूटा, हाइवे पर लगाया जाम

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत और एजेंसियों में हो रही गड़बड़ियों ने उपभोक्ताओं का धैर्य तोड़ दिया है। बुकिंग करने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने, देर से एजेंसी खुलने और बुक किए गए सिलेंडर किसी और को देने जैसी शिकायतें अब आम हो गई हैं। गर्मी में लोग अपना काम-धंधा छोड़कर दिनभर कतारों में लगे रहते हैं, लेकिन नंबर आने पर पता चलता है कि उनका सिलेंडर पहले ही किसी और को दे दिया गया है। यह समस्या किसी एक एजेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर की लगभग सभी गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की शिकायतें अधिकारियों तक पहुंच रही हैं। गुरुवार को वार्ड 1 स्थित एचपी कंपनी की लोकेश गैस एजेंसी का कार्यालय देर से खुलने और सिलेंडर वितरण नहीं होने से महिलाएं भड़क गईं। आक्रोशित महिलाएं हाइवे पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगीं और जाम लगा दिया। खबर मिलते ही मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे मौके पर पहुंचे और महिलाओं को हाइवे से हटाकर उनकी समस्या सुनी। इस दौरान एसडीएम और एसडीओपी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनीं, एजेंसी संचालक से बात की और तुरंत सिलेंडरों का वितरण कराया। शहर में गैस की उपलब्धता और एजेंसियों के संचालन में सुधार की मांग अब जोर पकड़ रही है। उपभोक्ता चाहते हैं कि बुकिंग के अनुसार समय पर सिलेंडर डिलीवरी हो और गड़बड़ियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों को परेशानी न झेलनी पड़े। गोहरगंज एसडीएम सीएस श्रीवास्तव ने बताया कि हमारा प्रयास है गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, एजेंसी का लोड लेट होने के कारण समस्या हुई थी जिसे ठीक कर लिया गया है।

मेट्रो एंकर मोर नृत्य, शिव तांडव और मसान होली की झांकियों से राममय हुआ शहर, काशी के कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

मातृशक्ति की अगुवाई में निकली रामनवमी की शोभायात्रा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को नगर में भक्ति, आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिरों से लेकर मुख्य सड़कों और गलियों तक पूरा नगर राममय नजर आया। आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। राम जन्मोत्सव के अवसर पर नगर में दो भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं, वहीं रघुवंशी समाज द्वारा रघुकुल युवा परिषद एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में भी शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर नौलखी मंदिर में भगवान को छप्पन भोग अर्पित कर तथा देव प्रतिमाओं को नवीन वस्त्र धारण कराए गए। शोभायात्रा में साकेतवासी जगन्नाथ दास जी महाराज एवं कनक बिहारी दास जी महाराज के चित्रों से सुसज्जित रथ आकर्षण का केंद्र रहे। एक रथ पर बालकों द्वारा भगवान सीताराम का सजीव स्वरूप प्रस्तुत किया गया, जबकि एक अन्य झांकी में अयोध्या के रामलला का मनोहारी स्वरूप दर्शाया गया। यात्रा के दौरान प्रसादी का वितरण भी किया गया तथा अखाड़ों के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

शोभायात्रा में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष नीतू देवेंद्र सिंह रघुवंशी, परिषद अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इस वर्ष शोभायात्रा का सबसे भावपूर्ण दृश्य रघुवंशी समाज की मातृशक्ति का सबसे आगे चलना रहा। केसरिया ध्वज के साथ अनुशासित रूप से अग्रिम पंक्ति में चल रही महिलाओं ने नारी शक्ति के सम्मान और सनातन परंपरा की गरिमा का संदेश दिया। उनके आगे घुड़सवार धर्मध्वजा लिए चल रहे थे, जिनमें समाज की नन्हीं बालिकाएं भी शामिल थीं। महिलाओं के पीछे पुरुष वर्ग का चलना नारी सम्मान का प्रतीक बन गया। त्योंदा रोड स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में पहली बार काशी से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वृंदावन का मोर नृत्य, भगवान शिव का तांडव और काशी की प्रसिद्ध मसान होली की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इन प्रस्तुतियों को देखने के लिए जगह-जगह भीड़ उमड़ पड़ी और श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। नगर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। केसरिया ध्वज, भजन मंडलियों की स्वर लहरियां, ढपलों की थाप और बैंड-बाजों की गूंज ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस शोभायात्रा को अपने गंतव्य तक पहुंचने में लगभग 6 घंटे का समय लगा। रात करीब 9 बजे यात्रा रघुवंशी धर्मशाला पहुंची, जहां काशी की गंगा आरती की तर्ज पर भगवान श्रीराम की भव्य आरती कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

न्यूज विंडो

चैत्र नवरात्रि की नवमी पर भव्य भंडारा एवं कन्या पूजन का आयोजन

तेंदूखेड़ा। नगर एवं क्षेत्र में चैत्र नवरात्रि के नौवें और अंतिम दिन नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ विभिन्न मंदिरों में कन्या भोजन एवं विशाल भंडारों का आयोजन किया गया।नवमी के दिन माँ सिद्धिदात्री की विशेष आराधना की गई, जिन्हें सभी प्रकार की सिद्धियों और शक्तियों की दात्री माना जाता है। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना की गई। पूरे क्षेत्र में जय माता दी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। नवमी के अवसर पर घर-घर में कन्या पूजन की परंपरा भी पूरे विधि-विधान के साथ निभाई गई। लोगों ने छोटी-छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका स्वागत किया। कन्याओं को सम्मानपूर्वक बैठाकर उनके माथे पर टीका लगाया गया तथा पैरों में महावर लगाया गया। इसके बाद उन्हें माता रानी की चुनरी ओढ़ाकर सिंगार किया गया, जिससे वे साक्षात देवी के रूप में प्रतीत हो रही थीं। पूजन के उपरांत कन्याओं को पूड़ी, खीर,चने और हलवा जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। आयोजन समितियों द्वारा साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे सभी को सुगमता से प्रसाद प्राप्त हो सके। इस प्रकार तेंदूखेड़ा में चैत्र नवरात्रि की नवमी का पर्व आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता के साथ हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

पार्टी का झंडा कार में लगाकर हो रही थी अवैध शराब की तस्करी, पुलिस ने पकड़ा

दतिया। पार्टी और उसके झंडे की आड़ में भी कुछ तत्व खेल करने में पीछे नहीं रहते हैं। दरअसल, दतिया जिले में भाजपा का झंडा लगी स्कोर्पियो से अवैध शराब की तस्करी की खबर आई है। जानकारी के अनुसार पंडोखर पुलिस ने वाहन को चैक किया, तो पूरा मामला खुल गया। इस दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। पंडोखर ने बताया कि 26-27 मार्च की रात में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक भाजपा का झंडा लगी स्कोर्पियो कार अवैध शराब लेकर दबोह की ओर से आ रही है। सूचना पर थाना प्रभारी पंडोखर ने पुलिस बल के साथ सालौन तिराहा पर नाकाबंदी की। वहीं अब फरार आरोपित चालक के विरुद्ध आबकारी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस टीम आरोपू की जानकारी जुटाने में लगी है।

रसोई गैस की किल्लत से निपटने कोयले का विकल्प चुना, तैयारी की शुरू

जबलपुर। शहर में रसोई गैस की किल्लत को पहले से भांपते हुए प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के लिहाज से अब कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है। हालात बिगड़ने की आशंका के बीच कोयले का स्टाक तलाशने में जिला प्रशासन जुट गया है।इसकी जिम्मेदारी जिले के खनिज विभाग को दी गई है, जिसके बाद विभाग के खनिज अधिकारियों ने जबलपुर के साथ आसपास के जिलों उमरिया, नरसिंहपुर और सीधी समेत अन्य क्षेत्रों में कोयला सप्लायरों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है।

भिंड के दशरथ नगर में एक युवती घर में लहूलुहान हालत में मिली

भिंड। जिले के ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत दशरथ नगर में एक युवती साक्षी अपने ही घर के कमरे में लहूलुहान हालत में मिली। घटनास्थल पर सबसे पहले उसका छोटा भाई पहुंचा, जो किसी काम से कमरे में गया था। अंदर पहुंचते ही उसने देखा कि साक्षी फर्श पर खून से सनी अवस्था में पड़ी है। गले से लगातार खून बह रहा था। यह दृश्य देखकर छोटा भाई घबरा गया। तत्काल बाहर आकर मां संध्या छारी को सूचना दी। मां कमरे में पहुंची तो बेटी के गले पर लगभग चार सेंटीमीटर लंबा गहरा कट दिखा। परिजन तुरंत उसे उठाकर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां ड्यूटी डॉक्टर आशीष नेक्या ने उसका प्राथमिक उपचार किया। अब इस पूरे मामले की पुलिस को सौंपा गया है।

एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता जरूरी- डॉ. तिवारी

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी ने कहा है कि एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह टीका गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की रोकथाम में एक प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, लेकिन समय पर टीकाकरण और नियमित जांच के माध्यम से इसे काफी हद तक रोका जा सकता है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को यह वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। डॉ. तिवारी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों को समय पर एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं और इस संबंध में फैली भ्रांतियों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और देश-विदेश में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमले को निर्देशित किया है कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें तथा अधिक से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करें।

रामनवमी पर भगवान श्रीराम के जयकारों से गूंजा शहर

नगर में निकली शोभायात्रा का जगह-जगह किया भव्य स्वागत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

रामनवमी के पावन अवसर पर नगर में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर आयोजित इस पर्व को लेकर नगर में कई दिनों पूर्व से ही भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया था। चैत्र नवरात्रि के आरंभ के साथ ही घर-घर भगवा ध्वज लहराते दिखाई दिए तथा जय श्रीराम के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसकी तैयारियां विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा लगभग दो माह पूर्व से प्रारंभ कर दी गई थीं। रविवार सायं 5 बजे नगर स्थित श्रीराम मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई बस स्टैंड, तारादेही तिराहा, ब्लॉक परिसर स्थित पंचवटी मंदिर, वार्ड क्रमांक 10 एवं 9 तथा सुपर मार्केट क्षेत्र से होकर पुनः श्रीराम मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं हनुमान जी की सजीव एवं मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा के अग्रभाग में डीजे, बैंड-बाजे एवं आतिशबाजी के साथ श्रद्धालु भक्त नाचते-गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। पूरे मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पेयजल, मिष्ठान एवं अन्य सेवाओं की व्यवस्था की गई, जिससे यात्रा में सम्मिलित लोगों को सुविधा प्राप्त हुई। नगर परिषद द्वारा आयोजन से पूर्व सड़कों की विशेष साफ-सफाई एवं पानी का छिड़काव किया गया, जिससे स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित हुआ। शोभायात्रा के समापन पर श्रीराम मंदिर में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार भगवान विष्णु ने त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों से पृथ्वी को मुक्त करने हेतु श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। रामनवमी का पर्व इसी दिव्य अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है तथा यह नवरात्रि के समापन का भी प्रतीक है। इस भव्य आयोजन में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने उत्साह एवं भक्ति के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

उमड़ा जनसैलाब

नवरात्रि नवमी पर सर पर ज्वारे लेकर निकले श्रद्धालु, किया नृत्य

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नवमी के दिन नगर एवं आसपास के क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ जवारे की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान अनेक श्रद्धालुओं ने आस्था का अनूठा प्रदर्शन किया। कुछ भक्तों ने अपने मुंह में बाने लोहे की सलाखें छेदकर भक्ति प्रकट की, वहीं महिलाओं ने पारंपरिक भाव-नृत्य करते हुए सिर पर जवारे रखकर यात्रा में भाग लिया। पूरा नगर जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा। शोभायात्रा के दर्शन हेतु नगरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने श्रद्धापूर्वक जवारे का पूजन-अर्चन किया तथा दूध अर्पित कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। जवारे निकालने से पूर्व नगर परिषद द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गईं। टैंकरों के माध्यम से नगर की सड़कों को पानी से साफ कराया गया, जिससे शोभायात्रा सुव्यवस्थित और स्वच्छ वातावरण में संपन्न हो सके। नवमी के दिन नगर में स्थापित विभिन्न देवी मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान किए गए। पिछले नौ दिनों से व्रत रख रहे श्रद्धालुओं ने इस दिन अपने व्रत का पारण किया। कार्यक्रम के समापन पर जवारे का विसर्जन मढ़िया घाट पर पूरे श्रद्धा भाव के साथ किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने माता से सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।यह आयोजन नगर की धार्मिक परंपरा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बनकर सामने आया।

समीक्षा के नाम पर खानापूर्ति जमीनी हकीकत पर पर्दा

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

पवित्र नगरी अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में 25 मार्च 2026 को आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला बैठक एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। संगठन मजबूती और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने के दावों के बीच यह बैठक जमीनी हकीकत से कटे हुए एक औपचारिक आयोजन के रूप में देखी जा रही है। बैठक में बूथ संरचना, शक्ति केंद्र, सदस्यता अभियान और सरकारी योजनाओं की समीक्षा की बात जरूर कही गई, लेकिन हकीकत यह है कि जिले के कई मंडलों में अभी भी बूथ स्तर पर संगठन कमजोर है। सूत्रों के मुताबिक, कई बूथ अध्यक्ष निष्क्रिय हैं और कार्यकर्ता संपर्क अभियान केवल कागजों तक सीमित है। जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम द्वारा लक्ष्य पूर्ण करने की बात दोहराई गई, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि जब जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता ही सक्रिय नहीं हैं तो लक्ष्य कैसे पूरे होंगे? बैठक के दौरान फोन पर कार्यकर्ताओं से बातचीत कर स्थिति का आकलन करने का प्रयास भी केवल औपचारिकता भर नजर आया। वहीं जिला प्रभारी संजय साहू ने शक्ति केंद्र और बूथ अध्यक्षों से निरंतर संवाद बनाए रखने की बात कही, लेकिन जमीनी स्तर पर संवादहीनता और असंतोष की स्थिति लगातार बनी हुई है। कई कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उनकी समस्याओं को न तो सुना जा रहा है और न ही समाधान किया जा रहा है। बैठक में बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन स्थानीय स्तर पर बेरोजगारी, योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियां और जनता की समस्याओं पर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। इससे यह साफ होता है कि संगठन की बैठकें अब केवल औपचारिकता निभाने तक सीमित होती जा रही हैं।

सवालों के घेरे में कमतोंन कॉंसिया पंचायत

बिना सचिव प्रभार के कैसे हो रहा करोड़ों का भुगतान?

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज अंतर्गत ग्राम पंचायत कमतोंन कांसिया में पिछले डेढ़ वर्ष से वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अक्टूबर 2024 से अब तक पंचायत सचिव के पास वित्तीय प्रभार नहीं है, जिसके चलते पूर्व में जारी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) के माध्यम से राशि आहरण कर खर्च किए जाने की बात कही जा रही है।

जानकारी के मुताबिक खेत तालाब योजना, कपिलधारा योजना एवं एक बगिया मां के नाम जैसी योजनाओं में भी गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य भूजल स्तर बढ़ाना और ग्रामीणों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है, लेकिन कार्यों की गुणवत्ता और भुगतान प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। ग्राम रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ कर्मचारी की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है। बताया जा रहा है कि संबंधित कर्मचारी नियमित रूप से पंचायत में उपस्थित नहीं रहतीं, जिससे कार्य

प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत के पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा कार्यों में हस्तक्षेप किया जा रहा है। ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर यह पूरी जानकारी साझा की है। उनका कहना है कि इन तथ्यों में कहीं न कहीं सच्चाई छिपी हुई है, जो गंभीर जांच का विषय है। साथ ही, पूरे मामले में पूर्व जनप्रतिनिधि और पंचायत व जनपद स्तर के अधिकारियों की भूमिका भी संदेहास्पद नजर आ रही है, जिस पर निष्पक्ष जांच की आवश्यकता महसूस की जा रही मामले को लेकर ग्रामीणों में असंतोष बढ़ रहा है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पर क्या कार्रवाई करता है।

पहले बच्ची के नाक-मुंह में ठूंसी रूई.. फिर फंदे पर झूल गई मां

गुना। दोपहर मेट्रो

जिले से एक दिलदहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला ने अपनी 10 महीने की मासूम बच्ची के नाक-मुंह में रूई ठूंसकर बच्ची को तड़पने के लिए छोड़ दिया और खुद फांसी के फंदे पर झूलकर जान दे दी। महिला की मौत हो गई है तो वहीं बच्ची की हालत गंभीर है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया गया है कि महिला के घर का एक लाख रुपये का बिजली बिल बकाया है जिसको लेकर पति-पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था।

गुना के कैंट थाना क्षेत्र के नानाखेड़ी गांव में शुक्रवार को उस वक्त मातम पसर गया जब गांव में रहने वाली कीर्ति कुशवाह (26) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने से पहले कीर्ति ने अपनी 10 महीने की मासूम बच्ची को भी मारने की कोशिश की और उसके नाक-मुंह में रूई ठूंस दी।

बच्ची तड़पती रही और पास ही मां ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। कीर्ति की शादी नानाखेड़ी के रहने वाले नीतीश कुशवाह से हुई थी। घटना के वक्त घर पर कीर्ति बच्ची के साथ अकेली थी, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग कामों से घर के बाहर गए थे।

मृतका कीर्ति की सास ने बताया कि कीर्ति ने सुबह परिवार के साथ पूजा-अर्चना की थी। इसके बाद वो बच्ची को खिला रही थी और बड़ी बहू भी घर पर थी। कुछ देर बाद वो बाजार चली गईं और बड़ी बहू मंदिर चली गई, जिसके कारण कीर्ति बच्ची के साथ घर पर अकेली थी और इसी दौरान उसने अपनी जान दे दी। जब वापस घर लौटे तो कीर्ति फांसी के फंदे पर झूली हुई थी और बच्ची की नाक-मुंह में रूई ठूंसी हुई थी। तुरंत पड़ोसियों की मदद से कीर्ति को फंदे से उतारा और कीर्ति व बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने कीर्ति को मृत घोषित कर दिया, बच्ची की हालत गंभीर होने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती किया है।

1 लाख रुपये बकाया है घर का बिजली बिल

ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि घर का करीब 1 लाख रुपये बिजली बिल बकाया है, इस बिल को वो धीरे-धीरे करके हर महीने जमा कर रहे हैं लेकिन उनके घर की बिजली काट दी गई है। घर की बिजली कटने के कारण पंखे-कूलर नहीं चल पाते और इसी बात को लेकर कीर्ति और पति नीतीश से विवाद भी हुआ था। एक दिन पहले भी दोनों के बीच बहस हुई थी और तब नीतीश ने कीर्ति के परिवारवालों को फोन कर उसे समझाने के लिए भी कहा था। वहीं मृतका की मां ने ससुराल पक्ष पर मारपीट व प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर हर पहलू से जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर — आस्था का केंद्र बिंदु है दसोंदी माल गांव का बलखंडन खेरमाई का दरबार

40 डिग्री तापमान में दंडवत करते पहुंचते हैं हजारों भक्त

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की दिनारी ग्राम पंचायत के दसोंदी गांव में बलखंडन खेर माता विराजमान हैं, जहां चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि को श्रद्धालु उघारे होकर दंड भरते हुए माता के दरबार में पहुंचते हैं। यह परंपरा सैकड़ों वर्ष से निभाई जा रही है दसोंदी गाँव में प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्र की नवमी को एक दिवसीय विशाल मेले का आयोजन होता है। शुक्रवार को यहां श्रद्धालु अपने गांव से दंड भरे हुए माता के दरबार तक पहुंचे। बता दें कि इस गांव में 90 प्रतिशत मुस्लिम समाज के लोग रहते हैं जो इस दिन आयोजन को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग करते हैं।

तेंदूखेड़ा मुख्यालय करीब 35 किमी दूर स्थित दसोदी गांव है यह तेंदूखेड़ा जनपद की दिनारी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। यहां बिराजी देवी को दसोंदी बाली खेरमाई के नाम से जाना जाता हैं, जो दसोंदी सहित आसपास के ग्रामीणों के लिये अटूट

आस्था का केंद्र हैं। प्रतिवर्ष इस गांव में चैत्र नवरात्र की नवमी को एक दिवसीय मेला भरता है। यहां पर भक्त चैत्र नवरात्र के पहले दिन से खेरमाई के नाम का घट अपने दिवाले पर रखते हैं और नवमी के दिन माता के चरणों मे समर्पित करते हैं। साथ ही श्रीफल लेकर गृहग्राम से दंड भरकर देवी माता के स्थान तक जाते हैं। शुक्रवार को सैकड़ों भक्त एक साथ दंड भरते हुये दसोंदी माल कि खेरमाई की जय जयकार करते हुए पहुंचे। भर दोपहरी में जब सूरत आग उगल रहा था तब यहां पर माता बलखंडन के भक्त अपनी मन्नत पूरी होने पर एक तौलिया लपेटे दंडवत करते हुए कंकड़ पत्थरों से भरे रास्तों पर हर दंड के साथ उनकी भक्ति और विश्वास और भी प्रबल होता गया भक्तों के चेहरे पर कोई थकान नहीं बल्कि मां के दर्शन की उत्सुकता साफ झलक रही थी कई श्रद्धालु नौ दिनों का व्रत रखकर यही आकर अपना व्रत खोलते है यहां पर आस्था का अद्भुत और अलौकिक दृश्य देखने को मिलता है।

2-3 किमी भरते हैं दंड

ग्राम दसोंदी में विराजी बलखंडल तक पहुंचने के लिए लोग अपने ग्रह ग्राम से दंड भरते हुए माता के मंदिर को पहुंचते हैं इसमें दूरी का कोई अनुमान नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे दसोदी गांव के लोग हैं तो वह अपने घर से ही दंड भरते हुए जाते हैं और यदि कोई दूसरे गांव का है तो उसको उसी गांव से दंड भरते हुए माता के स्थान पर जाना पड़ता है। कुल मिलाकर तपती धूप और कठिन रास्तों के बीच भी भक्तों की अटूट श्रद्धा ने यह साबित कर दिया कि सच्ची भक्ति के आगे हर बाधा छोटी पड़ जाती है।

फाइल सं. SCMD-10020/4/2025-SCMD
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
सतत तटीय प्रबंधन प्रभाग

राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र, चेन्नई में निदेशक पद को प्रतिनियुक्ति (लघु अवधि अनुबंध सहित) के आधार पर भरने के संबंध में

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र, चेन्नई - जो कि एक पंजीकृत सोसायटी है - में निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति (लघु अवधि अनुबंध सहित) के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह पद वेतनमान रु.1,44,200/- - रु. 2,18,200/- (लेवल-14) में है।

अधिकतम आयु सीमा आवेदन की अंतिम तिथि के अनुसार 58 वर्ष है।

2. पात्रता, कार्य दायित्वों तथा आवेदन प्रस्तुत करने के निर्धारित प्रारूप के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए मंत्रालय की वेबसाइट www.moef.gov.in या www.ncscm.res.in पर देखें।
3. आवेदन पत्र, रोजगार समाचार में रिक्ति परिपत्र के प्रकाशन की तिथि से 45 दिनों के भीतर, निम्नलिखित पते पर भेजा जाए:

उप सचिव
सस्टेनेबल कोस्टल मैनेजमेंट डिवीजन
202, वायु विंग
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग
नई दिल्ली- 110003
ईमेलः scmd-moefcc@gov.in

CBC - 13101/11/ 0027/2526

फिर आया इंडिया का त्योहार: आईपीएल 2026 का आगाज आज से, बेंगलुरु में पहला मुकाबला

खिताब बचाने पर रहेगी डिफेंडिंग चैंपियन की नजर

बेंगलुरु , एजेंसी

आईपीएल के 19वें सीजन का आगाज आज से होगा। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। मैच बेंगलुरु के होम ग्राउंड एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम 7:30 बजे शुरू होगा। जबकि टॉस 7:00 बजे होगा। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शनिवार से यहां शुरू होने वाले आईपीएल में अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा, जबकि केकेआर, सीएसके और मुंबई इंडियंस अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने की कोशिश करेंगे। आईपीएल में अगले दो महीनों में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ कुछ युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके अपनी छाप छोड़ने में कोई कसर नहीं रखेंगे।

आरसीबी टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगा और उसका लक्ष्य शानदार शुरुआत करना होगा, लेकिन इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है क्योंकि पिछले साल चार जून को आरसीबी के खिताब जीतने के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी।

दोनों टीमों के पास गेंदबाजी में कमी

जहां तक मैच का सवाल है तो आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेज़लवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेज़लवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है, लेकिन सनराइजर्स के बैकअप विकल्प ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगते।

खाली रहेंगी 11 सीटें

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थायी रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे।

कमिंस शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे

आईपीएल 2025 में चैंपियन बनाने वाले लेफ्ट आर्म पेसर यश दयाल पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वे निजी कारणों के चलते IPL नहीं खेल पाएंगे। वहीं उनका साथ देने वाले ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे। दोनों ही गेंदबाजों के दम पर ऋष्क्रने कई अहम मैच जीते थे।

SRH: कप्तान पैट कमिंस इंजरी के कारण शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने खुद कह दिया है कि वे IPL का सेकेंड हाफ टारगेट कर रहे हैं, यानी वे 6 से 8 मैच मिस कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के ही जैक एडवर्ड्स इंजरी के कारण बाहर हो गए, उनकी जगह डेविड पेन को शामिल किया। श्रीलंका के ईशान मलिंगा भी शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे।

पिच रिपोर्ट-हाई-स्कोरिंग मैच हो सकता है

चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है। यहां की सरफेस फ्लैट होती है और गेंद आसानी से बल्ले पर आती है, जिससे बड़े शॉट खेलना आसान होता है। छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड के कारण इस मैदान पर अक्सर हाई-स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलते हैं। हालांकि, मैच की शुरुआत में तेज गेंदबाजों को हल्की मदद मिल सकती है। स्पिनर्स को यहां ज्यादा टर्न नहीं मिलता, इसलिए उन्हें वैरिएशन पर निर्भर रहना पड़ता है। रात के मैचों में ओस भी अहम भूमिका निभाती है।

बल्लेबाजी से करेंगे भरपाई| दोनों टीमें अपनी गेंदबाजी की कमजोरी का बल्लेबाजी से भरपाई करना चाहेंगी। आरसीबी के पास विराट कोहली, टिम डेविड, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, कप्तान रजत पाटीदार, रोमारियो शेफर्ड जैसे बल्लेबाज हैं जबकि सनराइजर्स के पास भी ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, किशन और हेनरिक क्लासेन के रूप में धाकड़ बल्लेबाज हैं।

टेस्ट क्रिकेट: गुवाहाटी को क्यों मिल रहा जल्दी-जल्दी मौका ?

बीसीसीआई के टेस्ट वेन्यू सेलेक्शन पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को सीनियर पुरुष टीम के घरेलू सीजन का शेड्यूल जारी किया, जिसमें 5 टेस्ट, 9 वनडे और 8 टी20 मैच शामिल हैं। इसी शेड्यूल में गुवाहाटी का बारसापारा स्टेडियम भी चर्चा में है, जिसने नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट होस्ट किया था और अब 2027 में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के एक मुकाबले की मेजबानी करेगा।

हालांकि, यह साफ नहीं है कि इतने कम अंतराल में गुवाहाटी को फिर से यह मौका कैसे मिल गया। खास बात यह भी है कि मुंबई और कोलकाता जैसे बड़े क्रिकेट केंद्र इस अहम सीरीज से बाहर हैं। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बंगाल क्रिकेट संघ या मुंबई क्रिकेट संघ ने मेजबानी से इनकार किया था या उन्हें इस बार नजरअंदाज किया गया।

ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा

21 जनवरी से- पहला टेस्ट, नागपुर
29 जनवरी से- दूसरा टेस्ट, चेन्नई
11 फरवरी- तीसरा टेस्ट, गुवाहाटी
19 फरवरी से- चौथा टेस्ट, रांची
27 फरवरी से- पांचवां टेस्ट, अहमदाबाद

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की सौंपी गई मेजबानी

भारतीय क्रिकेट में वेन्यू चयन को लेकर बहस समय-समय पर उठती रही है, लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग और ज्यादा गंभीर है। वजह है गुवाहाटी का बारसापारा स्टेडियम, जिसे नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच मिला और अब 2027 में भारत-ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांच मैचों में से एक की मेजबानी भी सौंप दी गई है। सवाल सीधा है- क्या यह रोटेशन सिस्टम का हिस्सा है या फिर सिस्टम की नई व्याख्या? बीसीसीआई लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि देश के अलग-अलग वेन्यू को बारी-बारी से टेस्ट मैच दिए जाते हैं, ताकि क्रिकेट का विस्तार हो और हर क्षेत्र को मौका मिले। इस तर्क में दम भी है। भारत जैसे विशाल देश में क्रिकेट का विकास सिर्फ मुंबई, दिल्ली या कोलकाता तक सीमित नहीं रह सकता। नए केंद्रों को आगे लाना जरूरी है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब इस रोटेशन में असमानता दिखने लगती है। नागपुर (फरवरी 2023), अहमदाबाद (अक्टूबर 2025), रांची (फरवरी 2024) और चेन्नई (सितंबर 2024) जैसे वेन्यू को हालिया चक्र में टेस्ट मिले- यह रोटेशन के हिसाब से तार्किक लगता है। लेकिन गुवाहाटी, जिसने अभी-अभी नवंबर 2025 में अपना पहला टेस्ट आयोजित किया, वह इतनी जल्दी 2027 में फिर उसी कतार में कैसे आ गया? क्या रोटेशन का चक्र अब इतना छोटा हो गया है या कुछ वेन्यू के लिए नियम अलग हैं?

और यह सवाल सिर्फ गुवाहाटी तक सीमित नहीं है

गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का 30वां टेस्ट वेन्यू बन चुका है, लेकिन देश में ऐसे कई ऐतिहासिक और स्थापित मैदान हैं। गांधी स्टेडियम (जालंधर), सेक्टर-16 स्टेडियम (चंडीगढ़), यूनिवर्सिटी ग्राउंड और केडी सिंह बाबू स्टेडियम (लखनऊ), लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम (हैदराबाद)- जहां वर्षों से कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला गया। क्या इन वेन्यू को फिर से जीवित करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए? देहरादून का राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम भी इसका उदाहरण है, जहां 2019 में आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट मैच खेला जा चुका है, लेकिन इसके बाद सन्नाटा है। अगर ऐसे सेंटरों को फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के नक्शे पर लाया जाए, तो न सिर्फ टेस्ट क्रिकेट की रौनक बढ़ेगी, बल्कि दर्शकों की भागीदारी भी मजबूत होगी और स्टेडियम खाली रहने की समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है। इस पूरे विमर्श में अहमदाबाद का जिक्र भी जरूरी है, जहां मार्च 2023 के बाद अक्टूबर 2025 में टेस्ट मैच हुआ और अब फिर 2027 में टेस्ट मैच होने जा रहा है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमता जैसे पैमानों पर खरे उतरने वाले दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम को दरकिनार नहीं किया जा सकता है।

स्टार स्ट्राइकर एमबापे के गोल से फ्रांस ने ब्राजील को हराया

फॉक्सबोरो। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबापे के गोल की मदद से फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल से पहले एक महत्वपूर्ण मैत्री मैच में ब्राजील को 2-1 से हराया। एमबापे इस मैच से पहले घुटने की चोट से जूझ रहे थे लेकिन उन्होंने दिखाया कि फिलहाल वह इस समस्या से परेशान नहीं हैं। उन्होंने 65वें मिनट में मैदान छोड़ने से पहले एक महत्वपूर्ण गोल किया। स्टेडियम में मौजूद 66215 दर्शक ब्राजील का समर्थन कर रहे थे लेकिन एमबापे (32वें मिनट) और 'गो एकितिके (65वें) ने गोल करके फ्रांस को उस मैदान पर 2-0 की बढ़त दिला दी, जहां वह विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में नॉर्वे का सामना करेगा। ब्राजील की तरफ से एकमात्र गोल ब्रेमर ने 78वें मिनट में किया लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाये।

बोलिविया ने सूरीनाम को हराया अब मुकाबला इराक से

मॉन्टेरी। मोइसेस पानिगुआ और मिगुएल टेरसेरोस ने दूसरे हाफ में सात मिनट के अंतराल में गोल किए जिससे बोलीविया ने गुरुवार को सूरीनाम को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वालीफाइंग प्लेऑफ के फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना इराक से होगा। गुरुवार को एक अन्य मैच में स्ट्राइकर बेली कैडामार्टेरी के गोल की मदद से जमैका ने न्यू कैलेडोनिया पर 1-0 से जीत हासिल की और अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ फाइनल में जगह बनाई। उसे विश्व कप में जगह बनाने के लिए अब कांगो का सामना करना होगा। लियाम वैन गेलडेरेन ने 48वें मिनट में सूरीनाम को बढ़त दिलाई, लेकिन पानिगुआ ने 72वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया और टेरसेरोस ने 79वें मिनट में पेनल्टी किक पर विजयी गोल दागा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

अनन्या पांडे संग टची हुए धुरंधर के जमील जमाली, हीरोइन देख भूले लिमिट, भड़के फैंस

फिल्म धुरंधर ने दिग्गज एक्टर राकेश बेदी को फिर से इंडस्ट्री में खड़ा कर दिया है। ये मूवी उनके करियर में पाथ ब्रेकिंग रही है। हर ओर बस उनके किरदार जमील जमाली की चर्चा हो रही है। हालांकि लाइमलाइट लूट रहे राकेश बेदी को लेकर विवाद भी कम नहीं हो रहे हैं। हीरोइनों संग उनके बिहेवियर को लेकर इन दिनों सवाल उठ रहे हैं। सारा अर्जुन, शुभांगी अत्रे के बाद अनन्या पांडे संग उनका वीडियो सोशल मीडिया पर हॉट टॉपिक बना हुआ है। एक्टर को ट्रोल किया जा रहा है। सबसे पहले बात करते हैं लेटेस्ट मामले की, जहां एक चैनल के अवॉर्ड फंक्शन में फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के नामी सितारों ने शिरकत की। यहां अनन्या पांडे और कियारा आडवाणी एकसाथ बैठी थीं। राकश बेदी वहां से गुजर रहे थे। कियारा ने खड़े होकर धुरंधर एक्टर को ग्रीट किया। उनसे गले मिलीं। कियारा के बगल में वहां पर अनन्या पांडे बैठी हुई थीं। जैसे ही राकेश की अनन्या पर नजर गईं, वो कियारा संग बात करना छोड़कर अनन्या से मिलने लगते हैं। राकेश ने अनन्या को हैरानी से देखा और उनकी ठोड़ी पर हाथ रखा और कुछ बात करने लगे। वीडियो देख लगता है जैसे वो अनन्या की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। अनन्या उनसे हाथ मिलाते हुए थैंक्यू कहती दिखीं। फिर जाते हुए भी राकेश बेदी ने अनन्या के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें बाय कहा। राकेश बेदी का ये वीडियो देखकर ट्रोल्स उनके पीछे पड़ गए। एक यूजर ने लिखा- राकेश को किसी भी हीरोइन के साथ फिजीकल टच अवॉइड करना चाहिए, क्योंकि वो उनकी इतनी करीबी नहीं हैं जिस तरह वो पब्लिकली उन्हें ट्रीट करते हैं।

राकेश बेदी क्यों विवादों में घिरे?

इससे पहले पिछले साल धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर राकेश बेदी 20 साल की सारा अर्जुन को कंधे पर KISS करते दिखे थे। ये क्लिप वायरल हुई। बेटी समान सारा को ग्रीट करते हुए यूं उनके कंधे पर KISS करना लोगों को रास नहीं आया। उनकी आलोचना हुई। राकेश बेदी ने इसपर सफाई देते हुए कहा कि लोगों की नजरों में खोट है। वो सारा को बेटी की तरह मानते हैं। सेट पर भी उन्हें हग और माथे पर KISS किया करते थे। राकेश बेदी की सफाई को लोगों को स्वीकारा। लेकिन फिर भाभी जी घर है फेम एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे के साथ उनकी एक क्लिप ने फिर बखेड़ा खड़ा किया।

युवा कलाकारों से सीख रही हैं नीना गुप्ता, बोलीं- नई पीढ़ी के साथ काम करने से रहती हूं अपडेट

फिल्म इंडस्ट्री में समय के साथ खुद को बदलते रहना और हर दिन नया सीखना बहुत जरूरी होता है। एक्ट्रेस नीना गुप्ता का मानना है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने बताया कि वह आजकल युवा कलाकारों के साथ काम करके बहुत कुछ सीख रही हैं। इसी अनुभव को उन्होंने एक वीडियो के जरिए इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे नई पीढ़ी के साथ जुड़कर वह खुद को समय के साथ ढाल रही हैं। नीना गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, ÷मैं इन दिनों एक सीरीज में युवा लड़कियों के साथ काम कर रही हूं और उनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। आजकल का संगीत कैसा है, लोग किस तरह की भाषा बोलते हैं, फैशन में क्या चल रहा है और सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल कैसे किया जाता है, ये सारी बातें मैं अपने साथ काम करने वाले युवा कलाकारों से सीख रही हूं।÷ उन्होंने कहा, ÷कई ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में मुझे पहले ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन अब मैं धीरे-धीरे सब समझने लगी हूं। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इससे मेरी सोच और समझ दोनों में बदलाव आ रहा है। नीना गुप्ता ने कहा, नई पीढ़ी के लोगों के साथ काम करने से मुझे एक अलग नजरिया मिला है। इससे मुझे यह समझने में मदद मिल रही है कि आज के समय में लोग कैसे सोचते हैं और किस तरह से अपनी जिंदगी जीते हैं। मेरे एक पुराने दोस्त मिस्टर तलवार ने एक बार मुझसे कहा था कि जब वह जवान थे, तो उन्होंने अपने से बड़े लोगों के साथ रहकर उनसे सीखा और जब वह बड़े हो गए, तो उन्होंने युवाओं के साथ रहना शुरू किया, ताकि उनसे नई चीजें सीख सकें।

मेट्रो बाजार

महंगे सोने से बदला ट्रेंड
ज्वेलरी से हटकर निवेश की ओर बढ़ रहा भारतीय बाजार

नई दिल्ली । देश का गोल्ड मार्केट अब धीरे-धीरे निवेश की ओर शिफ्ट हो रहा है, क्योंकि बढ़ती कीमतों के कारण ज्वेलरी की मांग पर असर पड़ रहा है। आईसीआरए और एसोचैम की संयुक्त रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में सोने के गहनों की मांग सालाना आधार पर करीब 26 प्रतिशत घट गई। हालांकि, इसी दौरान गोल्ड बार और सिक्कों की मांग में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिससे कुछ हद तक गिरावट की भरपाई हुई। वैश्विक स्तर पर भी यही ट्रेंड देखने को मिला है। वित्त वर्ष 2025 में सोने के गहनों की खपत 15 प्रतिशत घटी और वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में यह 17 प्रतिशत और गिर गई, जिसका मुख्य कारण सोने की बढ़ती कीमतें हैं। दूसरी ओर, निवेश के रूप में सोने की मांग तेजी से बढ़ी है। गोल्ड बार, सिक्के और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश सालाना आधार पर क्रमशः 74 प्रतिशत और 60 प्रतिशत तक बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे भी ऊंची कीमतों के कारण ज्वेलरी की मांग पर दबाव बना रह सकता है, लेकिन निवेश की बढ़ती मांग, संगठित कंपनियों का विस्तार और फाइनेंशियलाइजेशन के कारण मध्यम अवधि में सेक्टर को सहारा मिलेगा। भारत ने वित्त वर्ष 2025 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा सोने के गहनों का उपभोक्ता बनने का स्थान हासिल किया, जिसमें वैश्विक मांग का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा शामिल रहा।

मध्य पूर्व संकट से बांग्लादेश का जीवाश्म ईंधन आयात बिल 40% बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । बांग्लादेश का वार्षिक जीवाश्म ईंधन आयात बिल मध्य पूर्व संकट के कारण 4.8 अरब डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है, जो 2025 के स्तर की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी जीरो कार्बन एनालिटिक्स (जीसीए) की एक नई रिपोर्ट में दी गई है। जीसीए के विश्लेषकों ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, ÷इस तरह का संकट बार-बार दोहराया जा रहा है, जो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण हुए मूल्य झटकों की याद दिलाता है। इससे बांग्लादेश की जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता और ऊर्जा परिवर्तन में देरी की लागत बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने बांग्लादेश को आर्थिक संकट में डाल दिया था, जहां जीडीपी स्तर 2025 में जाकर ही सामान्य हुए। रूस के आक्रमण से पहले के वर्ष में एशियाई लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की कीमतों में 390 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसके बाद अगले पांच महीनों में 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसका परिणाम बिजली की मांग में कमी और महीनों तक बिजली कटौती के रूप में सामने आया। अक्टूबर 2022 में ब्लैकआउट के कारण 13 करोड़ लोग बिजली से वंचित हो गए थे। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण बढ़ती कीमतों का यह भारी बोझ देश के विदेशी मुद्रा भंडार को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, जिससे आयात कवर अनुपात 5.7 महीनों से घटकर 4.9 महीने रह जाने का खतरा है। यह संकट ढाका की अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर निर्भरता की कमजोरी को उजागर करता है, क्योंकि 2023 में देश की कुल ऊर्जा आपूर्ति का 46 प्रतिशत हिस्सा आयात से आया था।

इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन हुआ पर्यटकों से गुलजार

श्रीनगर, एजेंसी

श्रीनगर में स्थित इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन एक बार फिर पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। डल झील के किनारे स्थित यह खूबसूरत गार्डन हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है और कश्मीर की वादियों की सुंदरता को और भी खास बना देता है। इस साल ट्यूलिप गार्डन तय समय से लगभग 10 दिन पहले खोल दिया गया। मुख्यमंत्री ओमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि इस साल पर्यटन उद्योग फिर से तेजी से उभरेगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल पर्यटन से जुड़े लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब हालात बेहतर होने की उम्मीद है और देश-विदेश से लोग कश्मीर की खूबसूरती देखने आएंगे। पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम टेरर अटैक के बाद सुरक्षा कारणों से कश्मीर के 44 पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया गया था, जिनमें ट्यूलिप गार्डन भी शामिल था। इस साल सुरक्षा समीक्षा और ऑडिट के बाद इसे फिर से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। ट्यूलिप गार्डन में इस बार 70 से अधिक किस्मों के ट्यूलिप लगाए गए हैं। फ्लोरीकल्चर विभाग ने इस बार करीब 18 लाख से ज्यादा ट्यूलिप बल्ब लगाए हैं, जिससे पूरे गार्डन का नजारा और भी रंगीन और आकर्षक बन गया है। फूलों की बढ़ी हुई घनत्व के कारण गार्डन में रंगों का अद्भुत समुद्र दिखाई देता है।

लाल सलाम का अंत... 30 मार्च को लोकसभा में होगी अहम चर्चा

नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य के करीब सरकार 31 मार्च की समयसीमा पर केंद्र का फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी

देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करने के लक्ष्य पर अब संसद में भी सीधी चर्चा होने जा रही है। केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त भारत बनाने की समयसीमा तय की है। इसी दिशा में 30 मार्च को लोकसभा में इस मुद्दे पर अहम चर्चा होगी। यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है, जब लगातार सरेंडर और ऑपरेशन के चलते नक्सल नेटवर्क कमजोर पड़ता दिख रहा है और सरकार अपने लक्ष्य के करीब पहुंचने का दावा कर रही है।

लोकसभा की कार्यसूची के अनुसार, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे इस मुद्दे पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। यह चर्चा नियम 193 के तहत होगी, जिसमें सदस्य बिना वोटिंग के किसी अहम मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही कई बार कह चुके हैं कि सरकार 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

कमजोर पड़ रहा है नक्सल नेटवर्क: पिछले एक साल में कई बड़े माओवादी नेताओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा का रास्ता अपनाया है। हाल ही में 25 मार्च को ओडिशा में वांछित माओवादी नेता सुकृ समेत चार अन्य ने पुलिस के सामने सरेंडर किया। इन पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम था। सरेंडर के दौरान उन्होंने एके-47, आईएनएसएएस और अन्य हथियार भी जमा कराए। इससे साफ संकेत मिलता है कि नक्सल संगठन की ताकत तेजी से घट रही है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थिति नियंत्रण में : ओडिशा पुलिस के एडीजी (एंटी-नक्सल ऑपरेशन) संजीव पांडा के मुताबिक, कंधमाल जिले में अब सिर्फ 8-9 नक्सली ही बचे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ऑपरेशन और तेज किए जाएंगे, ताकि तय समयसीमा तक पूरी तरह सफलता मिल सके। उन्होंने बाकी नक्सलियों से भी सरेंडर करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि सरकार की पुनर्वास नीति का पूरा लाभ दिया जाएगा।

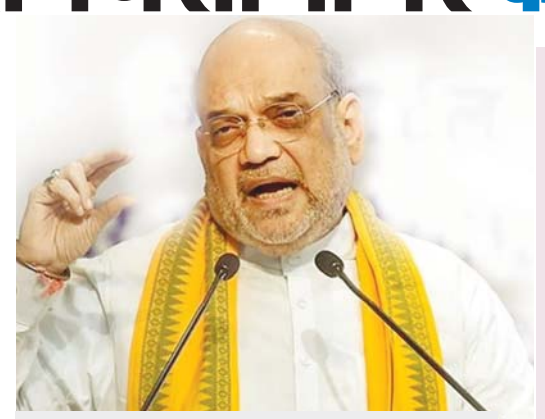

बस्तर में नक्सलियों की कमर टूटी

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। दंडकारण्य इलाके में सक्रिय माओवादी संगठन के बड़े नेता पप्पा राव समेत 17 नक्सलियों ने 17 मार्च को सरेंडर किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दंडकारण्य में पहली बार नक्सल संगठन लगभग नेतृत्वविहीन हो गया है। यह सरकार के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है।

ये हैं पांच बड़ी चुनौतियां

पहली चुनौती-नक्सल सक्रिय क्षेत्रों को मुक्त कराना: छत्तीसगढ़ के कुछ चुनिंदा इलाकों और सीमावर्ती जंगलों में अभी भी बचे-खुचे नक्सली सक्रिय हैं। इन सभी क्षेत्रों को पूरी तरह नक्सल मुक्त कराना एक बड़ी चुनौती है।

दूसरी चुनौती- नक्सल सपोर्ट सिस्टम ध्वस्त करना: इन 5 दिनों में सुरक्षाबलों के सामने एक बड़ी चुनौती नक्सल सपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह खत्म करना भी है। जंगलों से बाहर बैठे मास्टरमाइंड पर कार्रवाई करनी होगी। नक्सलियों को फंडिंग और वैचारिक समर्थन देने वाले नेटवर्क को तोड़ना जरूरी है। इसके अलावा गांवों और जंगलों में छिपे अंडरग्राउंड सपोर्ट सिस्टम पर भी सख्त एक्शन लेना होगा।

तीसरी चुनौती: जंगलों और पहाड़ों में लगे IED निष्क्रिय करना सुरक्षाबलों के सामने एक बड़ी चुनौती जंगलों और पहाड़ों में जगह-जगह लगाए गए IED हैं। बीते दो सालों में सैकड़ों IED बरामद कर नष्ट किए गए हैं, लेकिन आने वाले समय में भी इस खतरे पर लगातार कार्रवाई जारी रखनी होगी।

चौथी चुनौती- डंप हथियार और रुपये बरामद करना: बीते कुछ महीनों में बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है या कई मारे गए हैं। इसके बावजूद जंगलों में अब भी बड़ी मात्रा में हथियार, नकदी और अन्य सामग्री डंप होने की आशंका है। इन्हें बरामद करना जरूरी है, ताकि इनके दुरुपयोग को रोका जा सके।

पांचवीं चुनौती- 31 मार्च के बाद दोबारा सक्रियता रोकना: नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के बीच यह भी बड़ी चुनौती है कि 31 मार्च के बाद वे फिर से संगठित न हो पाएं। अगर बड़े लीडर या समर्थक गिरफ्त में नहीं आते हैं, तो वे संगठन को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर सकते हैं। इस पर लगातार निगरानी रखना जरूरी होगा।

ओडिशा के नयागढ़ की घटना

बस पलटने से 5 की मौत, 40 घायल, कई बस के नीचे दबे

नयागढ़। ओडिशा के नयागढ़ जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। यहां शुक्रवार देर रात एक टूरिस्ट बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 4 महिलाएं शामिल हैं, जबकि 40 से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा नयागढ़ जिले के दसपल्ला थाना क्षेत्र के तहत टाकराघाट के पास हनुमान घाटी इलाके में हुआ। बस में करीब 60 यात्री सवार थे, जो ब्रह्मपुर से हरिशंकर घूमने के लिए निकले थे। यात्रा के दौरान अचानक बस के ड्राइवर का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया।

पत्थर से टकराकर पलटी बस

बताया जा रहा है कि नियंत्रण खोने के बाद बस सीधे एक बड़े पत्थर से टकरा गई और फिर पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जबकि 10 से ज्यादा लोग बस के नीचे दब गए। इस हादसे में बस चालक प्रवीण साहू समेत 5 लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान हरि पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति साहू और बस ड्राइवर प्रवीण साहू के रूप में हुई है। सभी मृतक ब्रह्मपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही दसपल्ला और बनिगोछा थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड की टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

गैस कटर का इस्तेमाल

सूचना मिलते ही राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। बस के नीचे फंसे लोगों को निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया गया। घायलों को पहले दसपल्ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज किया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल करीब 15 लोगों को बाद में जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। यह हादसा सड़क सुरक्षा और वाहन चलाते समय सतर्कता की जरूरत को उजागर करता है।

न्यूज विंडो

अमेरिका: क्रॉसिंग पर मालगाड़ी से टकराई वैन, पांच लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के बिलोक्सी शहर के पास शुक्रवार को एक बड़ा रेल हादसा हो गया, जहां रेल क्रॉसिंग पर कैनेडियन पैसिफिक कंसास सिटी की एक मालगाड़ी और वैन के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में वैन चालक समेत पांच लोगों की मौत हो गई।घटना से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना बिलोक्सी से लगभग 72 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में विगिंस शहर के पास ग्रामीण मिसिसिपी में एक रेल क्रॉसिंग पर हुई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में वैन का ड्राइवर और एक ही परिवार की महिला व उसकी दो बेटियां शामिल हैं।इस दुर्घटना में में 26 वर्षीय वैन चाल, 45 वर्षीय क्रिस्टीना कार्वर, कार्वर की दो बेटियां, 22 वर्षीय एमली चैम्ब्ली और 20 वर्षीय साराबेथ चैम्ब्ल और वर्षीय डेमार्कस पर्किन्स की मौत हो गई। हादसे में वैन सवार केवल एक 23 वर्षीय महिला जीवित बची है, जिसे गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल दहला देने वाली घटना: टॉफी चुराने पर बेटी को पीट-पीटकर मार डाला

बुलंदशहर। ग्राम रतनपुर में ग्रामीण की 12 वर्षीय पुत्री ने परचून की दुकान से टाफी का डिब्बा चुरा लिया। इससे नाराज पिता ने किशोरी को डंडों से बुरी तरह पीट दिया। इससे किशोरी की मौत हो गई। घटना के बाद पिता ने मकान बंद कर लिया और अंदर बैठ गया और पत्नी का भी मुंह बंद कर दिया।बाद में मकान को बाहर से बंद करके पिता फरार हो गया। पत्नी ने शोर मचाकर मकान का दरवाजा खुलवाया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है। पत्नी ने आरोपित पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।थाना प्रभारी गंगा प्रसाद राजपूत ने बताया कि क्षेत्र के ग्राम रतनपुर निवासी पुष्पेंद्र उर्फ पप्पू परिवार समेत गांव में रहता है। वह गांव में दूध बेचने का कार्य करता है। पुष्पेंद्र के परिवार में पत्नी व चार बच्चों में सबसे बड़ी पुत्री 12 वर्षीय पूजा गांव के प्राइमरी स्कूल में कक्षा छह की छात्रा थी।

जिनेवा में बलूचिस्तान मुद्दे की गूंज

मानवाधिकार उल्लंघन पर हस्तक्षेप की मांग

जिनेवा, एजेंसी

बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने जिनेवा में अपनी 11वीं अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बलूचिस्तान के मानवाधिकार मुद्दे को वैश्विक मंच पर उठाया। यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न कार्यकर्ताओं और वक्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में लंबे समय से मानवाधिकार उल्लंघन हो रहे हैं और इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त जवाबदेही नहीं तय की गई है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से अपील की कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए।

गंभीर आरोप और पाकिस्तान का रुख: सम्मेलन में वक्ताओं ने दावा किया कि सैकड़ों युवाओं, छात्रों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जबरन गायब किया गया, यातनाएं दी गईं और उनकी हत्या की गई। हालांकि, पाकिस्तान इन आरोपों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार खारिज करता रहा है।

इतिहास व विरोध का संदर्भ

कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि 27 मार्च को बलूच कार्यकर्ता उस दिन के रूप में याद करते हैं, जब 1948 में बलूचिस्तान के जबर्दस्ती कब्जे का दावा किया जाता है। उनका कहना है कि इसके बाद से क्षेत्र के लोगों को लगातार दमन का सामना करना पड़ रहा है।

देश में गैस की किल्लत के बीच LPG सिलेंडर चोरी की बड़ी वारदात

टेम्पो का लॉक तोड़ चुराए 27 सिलेंडर

मुंबई, एजेंसी

देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत की खबरों के बीच सिलेंडर की चोरी का मामला सामने आया है। मुंबई के कांदिवली के चारकोप इलाके में अज्ञात चोरों ने गैस डिलीवरी के लिए रखे एक टेम्पो को निशाना बनाकर उसमें रखे 27 सिलेंडर चोरी कर लिए। इनमें से 5 सिलेंडर भरे हुए थे और 22 खाली थे। इस मामले में चारकोप पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मालाड स्थित जय जनता नगर निवासी नंदकुमार रामराज सोनी (35) पिछले 7 वर्षों से चारकोप स्थित श्रीजी गैस सर्विस में सिलेंडर डिलीवरी का काम करते हैं। वह अपनी टेम्पो के जरिए घर-घर जाकर

ग्राहकों को बुकिंग के अनुसार गैस सिलेंडर पहुंचाते हैं और इसी से उनका परिवार चलता है। सोनी ने रोज की तरह दिनभर डिलीवरी का काम किया। देर रात करीब 11 बजे उन्होंने अपना टेम्पो चारकोप में खड़ा किया और घर लौट गए। उस समय टेम्पो में अगले दिन की डिलीवरी के लिए सिलेंडर लोड थे, लेकिन अगली सुबह करीब 8 बजे जब वह वापस टेम्पो के पास पहुंचे, तो टेम्पो के दरवाजे का लॉक टूटा हुआ था।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया है। सीसीटीवी कैमरे में कई संदिग्ध लोग गाड़ियों के साथ दिखे हैं और उनकी पहचान करने की कोशिश जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आस-पास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। इसके अलावा, कबाड़ी बाजार और अवैध गैस कारोबार से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेट्रो एंकर अक्सर विवादों में रहने वाले योगराज सिंह का एक और सनसनीखेज बयान

क्रिकेटरों के रिटायरमेंट के पीछे 'घर की महिलाओं' का हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने एक सनसनीखेज बयान दिया है। योगराज सिंह ने कहा है कि घर की महिलाएं और पत्नियां खिलाड़ियों को रिटायरमेंट और करियर से जुड़े फैसले लेने के लिए इनफ्लुएंस करती हैं। अक्सर इस तरह के बयान योगराज सिंह देते रहते हैं। उन्होंने ये भी कहा है कि खिलाड़ियों को तब तक खेलना चाहिए, जब तक वे प्रदर्शन करते हैं।

योगराज ने कहा कि 'घर की लेडीज, आपकी पत्नियां, वे कोचिंग शुरू करती हैं, वे आपसे कहती हैं कि आपके रिटायर होने का समय आ गया है, परिवार, बच्चों की देखभाल करने का समय आ गया है, चलो बच्चों के साथ एन्जॉय करें। इसलिए मेरा मानना है कि औरतों को एक महान खिलाड़ी के भविष्य के बीच में नहीं आना चाहिए, फकीर और खिलाड़ी ये दोनों का कोई धर्म नहीं है, वर्ग नहीं है, वे भगवान के होते हैं।

विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भी तीखा कटाक्ष

1980 के दशक की शुरुआत में एक टेस्ट और छह ह्वष्ठढ्ढ खेलने वाले योगराज ने इसी इंटरव्यू में उम्र और रिटायरमेंट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भी तीखा कटाक्ष किया था। विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से और इंग्लैंड से दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था।योगराज ने कहा था, 'रोहित शर्मा और विराट कोहली युवा क्रिकेटर हैं और वे छोड़ना चाहते हैं। लानत है जिंदगी भर। दुनिया को एहसास दिलाओ कि तुम सबसे अच्छे हो, कि तुम जरूरी हो। अगर तुम पचास साल के भी हो और अभी भी दोहरा शतक बना रहे हो, तो भी कोई तुम्हें ड्रॉप नहीं करेगा। इस देश में यह उम्र का फैक्टर बहुत विचित्र है।' हालांकि, इस वीडियो में योगराज सिंह का ह्रदयपरिवर्तन भी दिखा, क्योंकि उन्होंने एमएस धोनी की तारीफ की, जिनको वे अक्सर युवराज सिंह को लेकर हर बात में घसीटते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564